आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 249 | उज्जैन, मंगलवार 29 जुलाई 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

सेवा के संकल्प से प्रारंभ की निःशुल्क शव वाहन सेवा-मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जिलों के लिए भिजवाए वाहन प्रदेश के सभी जिलों के लिये 148 वाहनों की व्यवस्था

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा जिलों के लिए आरंभ की गई शव वाहन व्यवस्था के तहत प्रदेश के विभिन्न जिलों के लिए वाहन रवाना किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री निवास परिसर से झंडी दिखाकर जिलों के लिए निःशुल्क शव वाहन भेजने के अवसर पर कहा कि मनुष्यता, सेवा भाव और समाज के गरीब वर्ग सहित अन्य जरूरतमंदों के लिए निःशुल्क शव वाहन सेवा प्रारंभ की जा रही है। सेवा के संकल्प के अंतर्गत जिला चिकित्सालयों के लिए दो वाहन और चिकित्सा महाविद्यालयों वाले जिलों के लिए चार शव वाहन की व्यवस्था करते हुए प्रदेश में कुल 148 शव वाहनों का संचालन प्रारंभ किया गया है। इस व्यवस्था से परिवहन सुविधा प्राप्त होने पर दिवंगत व्यक्ति की देह को ससम्मान गंतव्य स्थान तक पहुंचाने में सुविधा होगी। यह सेवा 24 घंटे उपलब्ध रहेगी, जिसमें वाहन चालक की उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी। शव वाहन का संचालन राज्य सरकार द्वारा संचालित शासकीय चिकित्सा संस्थानों में ही मृत्यु के प्रकरणों में उपयोग किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कई प्रकार की जनहितैषी और जनकल्याणकारी योजनाएं राज्य सरकार ने शुरू की हैं। निःशुल्क शव वाहन सेवा एक अत्यंत संवेदनशील और बड़ी योजना है जो राज्य सरकार ने शुरू की है।

एयर एम्बुलेंस और राहगीर योजना

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जन हितैषी योजनाओं के माध्यम से समाज के हर सुख-दुख में साथ खड़े रहने का कार्य किया है। गरीब, युवा, महिला, किसान सभी के कल्याण के लिए केंद्र और राज्य सरकार कार्य कर रही है। जहां गंभीर रोगियों और दुर्घटनाग्रस्त नागरिकों को बड़े चिकित्सा संस्थान तक उपचार के लिए अविलम्ब भेजने के उद्देश्य से पीएमश्री एम्बुलेंस सेवा संचालित है वहीं राहगीर योजना में दुर्घटना होने के एक घंटे की भीतर गंभीर घायल को अस्पताल पहुंचाकर उसकी जीवन रक्षा करने वाले सहयोगी नागरिक को 25 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि देने की व्यवस्था की गई है।

ऑपरेशन सिंदूर पर बहस से पहले थरूर ने लिया चौंकाने वाला फैसला, अब कौन बनेगा विपक्ष की आवाज?

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर को लेकर आज संसद में बड़ी बहस छिड़ने वाली है। विपक्ष के कई सांसद ऑपरेशन सिंदूर पर सरकार से सवाल पूछने की तैयारी कर रहे हैं। हालांकि, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने खुद को इस बहस से अलग कर लिया है। आरोप-प्रत्यारोप के इस सिलसिले में शशि थरूर शामिल नहीं होंगे।

संसद के मानसून सत्र में आज पहली बार ऑपरेशन सिंदूर पर 16 घंटे की लंबी बहस चलेगी। इसे लेकर सियासी गलियारों में पहले से ही गर्मागर्मी का माहौल है। वहीं, अब सवाल पूछने वालों की फेहरिस्त में शशि थरूर की गैरमौजूदगी पर सवाल उठने लगे हैं।

22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। इस दौरान न सिर्फ पाकिस्तान में मौजूद आतंकी ठिकानों को तबाह किया गया था बल्कि पाक सेना पर पलटवार करते हुए कई एअरबेस पर भी मिसाइलें दागी गईं थीं। इस ऑपरेशन के बाद भारत सरकार ने प्रतिनिधिमंडल बनाया था और कांग्रेस सांसद शशि थरूर भी इसका हिस्सा थे।

सूत्रों के अनुसार, विपक्ष ने शशि थरूर को भी इस बहस में शामिल होने का निमंत्रण दिया था, लेकिन उन्होंने बिना कोई कारण बताए बहस का हिस्सा बनने से इनकार कर दिया।

जस्टिस यशवंत वर्मा ने सुप्रीम कोर्ट में दायर की याचिका, कैश कांड से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने आज इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा से कैश कांड पर सवाल पूछा है। जस्टिस वर्मा ने जांच रिपोर्ट के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी, जिसपर आज सुनवाई हुई है।

सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस दीपांकर दत्त और एजी मसीह की बेंच ने जस्टिस वर्मा से याचिका पर कई सवाल पूछे। इस याचिका में जस्टिस वर्मा ने इन-हाउस जांच रिपोर्ट को गलत बताया है।

वरिष्ठ एडवोकेट कपिल सिब्बल ने जस्टिस वर्मा की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में उनका पक्ष रखा। उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 124 का हवाला देते हुए कहा कि जज सार्वजनिक बहस का हिस्सा नहीं हो सकते हैं।

कपिल सिब्बल ने कहा- सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर वीडियो रिलीज किया गया। सार्वजनिक रूप से यह मुद्दा बहस का विषय बन गया। मीडिया में भी आरोप लगाए गए। संविधान इसकी इजाजत नहीं देता है। संविधान ने जस्टिस के खिलाफ ऐसे कदम उठाने पर पाबंदी लगा रखी है।

अब हमने सुदर्शन चक्र उठा लिया है..., ऑपरेशन सिंदूर पर संसद में गरजे राजनाथ सिंह; विपक्ष को दिया करारा जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरहद पार दुश्मन की रूह कंपाने के बाद ऑपरेशन सिंदूर की गूंज आज देश की संसद में सुनाई दे रही है। संसद के मानसून सत्र में ऑपरेशन सिंदूर पर बहस की शुरुआत हो चुकी है। सरकार की तरफ से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मोर्चा संभालते हुए ऑपरेशन सिंदूर की बहस का आगाज किया। रक्षा मंत्री ने सदन के पटल पर आंकड़ों के साथ ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े विपक्ष के हर सवाल का जवाब दिया है।

ऑपरेशन सिंदूर पर बात करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, शठे शाठ्यं समाचरेत...हमने भगवान कृष्ण से सीखा है कि आखिर में अगर धर्म को बचाने के लिए सुदर्शन चक्र भी उठाना पड़ता है। हमने 2006 में संसद भवन पर हमला, 2008 में मुंबई हमले देखे। लेकिन, अब बस बहुत हो गया। अब हमने सुदर्शन चक्र उठा लिया है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सदन में बताय कि 6 और 7 मई 2025 को, भारतीय सेनाओं ने ऑपरेशन सिंदूर के नाम से एक ऐतिहासिक सैन्य कार्रवाई को अंजाम दिया। यह ऑपरेशन देश के नागरिकों के प्रति हमारी जिम्मेदारी और आतंकवाद के खिलाफ हमारी नीति का एक प्रभावी और निर्णायक प्रदर्शन था

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के अनुसार, ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम देने से पहले सेना ने सभी पहलुओं को गहराई से समझा। हमारे पास कई विकल्प थे। मगर, हमने आतंकवादियों और उनके ठिकानों को ज्यादा से ज्यादा नुकसान पहुंचाने का रास्ता चुना।

नियद नेल्ला नार योजना से बदल रहा बस्तर, डेढ़ साल में विकास ने कैसे पकड़ी रफ्तार?

नई दिल्ली (एजेंसी)। कभी नक्सलवाद के लिए मशहूर छत्तीसगढ़ का बस्तर जिला अब बदलाव की नई गाथा लिख रहा है। बस्तर में विकास की बयार बह रही है। यहां के कई गांव अब बिजली से रोशन रहने लगे हैं। कभी गोलियों की आवाज से गूंजने वाले बस्तर में अब स्कूल की घंटियां सुनाई देती हैं। बस्तर में मोबाइल टावर भी लग गए हैं, जिससे मोबाइल नेटवर्क सिस्टम भी मजबूत हुआ है। यह सबकुछ छत्तीसगढ़ सरकार की योजना नियद नेल्ला नार के कारण मुमकिन हो सका है। नियद नेल्ला नार का अर्थ होता है - आपका अच्छा गांव।

गृह मंत्री अमित शाह करेंगे दौरा- इस योजना के तहत बस्तर के 327 से ज्यादा गांवों का विकास किया गया। 30 जुलाई को गृह मंत्री अमित शाह भी बस्तर का दौरा करेंगे। इस दौरान नक्सलवाद को उखाड़ फेंकने के साथ-साथ नियद नेल्ला नार योजना पर भी रणनीति बनाई जा सकती है।

बस्तर के 3 बड़े बदलाव- महिलाएं बच्चों को लेकर आंगनबाड़ी केंद्र जाती हैं।

कई गांवों में बैंक खुल गए हैं, जिससे आदिवासी समाज को बैंकिंग सुविधा का भी लाभ मिल रहा है।

मोबाइल टावर लगने से आदिवासी समुदाय के लोग डिजिटल दुनिया से जुड़ रहे हैं।

छत्तीसगढ़ सरकार ने 15 फरवरी 2024 को यह योजना शुरू की थी। राज्य के 17 विभागों की 52 योजनाओं को इसमें शामिल किया गया था।

दुनियाभर के जेलों में बंद हैं 10,574 भारतीय नागरिक

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के अलग-अलग जेलों में फिलहाल 10,574 भारतीय नागरिक कैद हैं। इनमें से 43 लोगों को मौत की सजा सुनाई गई है। संसद में शुक्रवार को यह जानकारी दी गई है।

विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में सबसे अधिक संख्या में भारतीय कैदी हैं, जहां वर्तमान में 2,773 भारतीय नागरिक सलाखों के पीछे हैं।

इसके बाद सऊदी अरब में 2,379 और नेपाल में 1,357 कैदी हैं।

अटल जी ने कहा था- पाक कल का सूरज नहीं देखेगा, वो घटना जिसका सदन में राजनाथ सिंह ने किया जिक्र

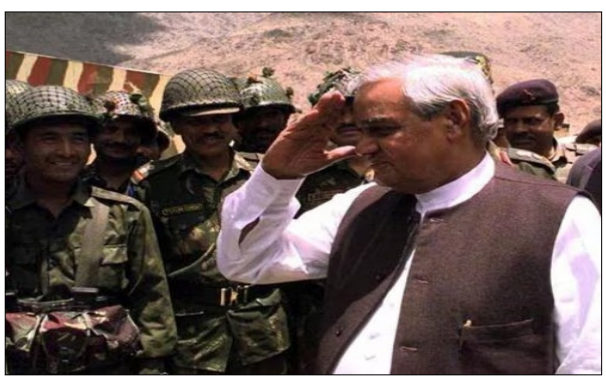

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद में मॉनसून सत्र चल रहा है। सोमवार को सरकार और विपक्ष में पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर को लेकर चर्चा हो रही है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर को लेकर सरकार का पक्ष रखा। राजनाथ सिंह ने स्पष्ट किया कि ऑपरेशन सिंदूर भारतीय सेना की बड़ी कामयाबी है। सेना का हर वार दुश्मन के खिलाफ कामयाब रहा, जबकि पाकिस्तान का एक भी हिट सफल नहीं रहा।

हमारे डिफेंस सिस्टम पूरी तरह से मुस्तैद थे और दुश्मन के हर हमले का जवाब दिया। राजनाथ सिंह ने इस दौरान पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेई के उस बयान का जिक्र किया, जब उन्होने पाकिस्तान को सख्त चेतावनी देते हुए कहा था कि पाकिस्तान के लोग कल का सूरज नहीं देख पाएंगे। 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने पाकिस्तान को कड़े शब्दों में चेतावनी दी थी। दरअसल, पाकिस्तान ने भारत को परमाणु हमले की धमकी दी थी, तब अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने वाजपेयी से बातचीत की।

वाजपेयी ने अमेरिका को यह साफ संदेश दिया कि अगर पाकिस्तान ने हिमाकत की और परमाणु हथियारों का इस्तेमाल किया, तो 'पाकिस्तान के लोग कल का सूरज नहीं देख पाएंगे। यह बात वाजपेयी जी ने सीधे प्रेस कान्फ्रेंस या मंच से न कहते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति से पत्राचार और बातचीत में रखी थी। अमेरिकी राष्ट्रपति क्लिंटन ने भी अपनी आत्मकथा 'My Life' में दोनों की इस वार्तालाप का उल्लेख किया है। क्लिंटन के मुताबिक, परमाणु युद्ध की संभावना उस वक्त बेहद गंभीर थी और भारत के सख्त रुख ने पाकिस्तान को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया था। यह घटना आज भी भारतीय कूटनीति और राजनीति में मजबूत नेतृत्व का उदाहरण मानी जाती है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सोमवार को सदन को ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना के पराक्रम के बारे में बताया। उन्होने कहा कि सेना ने 100 से ज्यादा आतंकियों, हैंडलर और उनके आकाओं को मार डाला।

यूरोपीयन यूनियन के साथ US की अब तक की सबसे बड़ी ट्रेड डील, व्यापार समझौते पर क्या बोले डोनाल्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप यूरोप के दौरे पर हैं। रविवार को उन्होंने अमेरिका और यूरोपीयन यूनियन की ट्रेड डील को अब तक की ÷सबसे बड़ी÷ डील करार दिया है। इस डील के बाद यूरोप से अमेरिका जाने वाली वस्तुओं पर 15 प्रतिशत का टैरिफ लगाया जाएगा।

डोनाल्ड ट्रंप ने यूरोपीयन यूनियन की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन के साथ उनके स्कॉटलैंड स्थित गोल्फ रिसॉर्ट में ट्रंप ने हाई लेवल बैठक की। इस बैठक के बाद ट्रंप ने अमेरिका में यूरोपीयन यूनियन (ईयू) के निर्यात पर 15 प्रतिशत का टैरिफ लगाने का एलान किया है।

1 अगस्त को थी डेडलाइन- बता दें कि अमेरिका ने यूरोपीयन यूनियन के साथ ट्रेड डील फाइनल करने की आखिरी तारीख 1 अगस्त निर्धारित की थी। इसके बाद अमेरिका ईयू के सामान पर 30 प्रतिशत तक का टैरिफ लगाने वाला था। हालांकि, 1 अगस्त से पहले ही दोनों देशों के बीच डील हो गई है, जिससे ईयू भारी टैरिफ से भी बच गया है।

ट्रेड डील पर बात करते हुए ट्रंप ने कहा- हमने डील कर ली है। यह सभी के लिए फायदेमंद है। शायद यह अब तक की सबसे बड़ी डील साबित होगी।

ट्रेड डील में क्या-क्या खास- यूरोप के ऑटोमोबाइल सेक्टर, फार्मास्यूटिकल और सेमिकंडक्टर समेत सभी चीजों पर अमेरिका 15 प्रतिशत का टैरिफ लगाएगा।

यूरोपीयन यूनियन में शामिल यूरोप के 27 देशों पर इस डील के प्रावधान लागू होंगे।

ईयू अमेरिका से 750 अरब डॉलर (62.25 लाख करोड़ रुपये) की ऊर्जा खरीदेगा।

ईयू ने अमेरिका में 600 अरब डॉलर (49.8 लाख करोड़ रुपये) का निवेश करने पर सहमति दर्ज की है।

तो क्या हम अपनी अर्थव्यवस्था बंद कर दें? रूस से तेल खरीदने पर भारत ने पश्चिमी देशों को दिया मुंहतोड़ जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के रूस से तेल खरीदने का कई पश्चिमी देश विरोध कर रहे हैं। वहीं, अब ब्रिटेन में भारत के उच्चायुक्त विक्रम दोराईस्वामी ने पश्चिमी देशों को करारा जवाब दिया है। विक्रम ने दो टूक शब्दों में कहा कि हम अपनी अर्थव्यवस्था बंद नहीं कर सकते हैं।

ब्रिटिश रेडियो स्टेशन टाइम्स रेडियो से बातचीत के दौरान विक्रम दोराईस्वामी ने कहा कि यूरोप के कई देश खुद रूस से रेयर अर्थ मेटल समेत अनेक ऊर्जा उत्पाद खरीद रहे हैं और वो हमें रूस से व्यापार न करने की सलाह देते हैं। क्या यह थोड़ा अजीब नहीं लगता?

तेल का तीसरा सबसे बड़ा खरीददार है भारत- बता दें कि भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयात करने वाला देश है। हालांकि, भारत तेल की ज्यादातर आपूर्ति मध्य एशियाई देशों से करता है। मगर, हाल ही में भारत ने रूस से भी बड़े पैमाने पर तेल आयात करना शुरू कर दिया है। 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद रूस पर कई तरह के प्रतिबंध लगा दिए गए। ऐसे में रूस काफी कम दाम में भारत को तेल बेचता है।

भारत और रूस की दोस्ती पर बात करते हुए विक्रम दोराईस्वामी ने कहा- दोनों देशों के बीच सुरक्षा संबंध दशकों पुराने हैं। जब पश्चिमी देश हमें हथियार देने को राजी नहीं थे और हमारे पड़ोसी देशों को बड़े पैमाने पर हथियार भेज रहे थे, जिसकी मदद से पड़ोसी मुल्कों ने हम पर हमला किया था। तब रूस ने भारत का साथ दिया था।

विक्रम दोराईस्वामी ने रूस से तेल आयात पर बात करते हुए कहा, दुनिया में तेल के दाम तेजी से बढ़ रहे हैं। हम भारत दुनिया में तेल का तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है। हम अपने तेल की 80 प्रतिशत मांग दूसरे देशों से पूरा करते हैं ऐसे में हमें क्या करना चाहिए? क्या हम अपनी अर्थव्यवस्था बंद कर दें?

थाईलैंड और कंबोडिया के बीच थम जाएगा शिव मंदिर का विवाद...

नई दिल्ली (एजेंसी)। थाईलैंड और कंबोडिया के नेता सोमवार को मलेशिया में मुलाकात करेंगे और वहां पर संघर्षविराम पर वार्ता होगी। यह जानकारी मलेशिया के विदेश मंत्री मुहम्मद हसन ने दी है। शनिवार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दोनों देशों के नेताओं से टेलीफोन पर वार्ता करके उनसे लड़ाई खत्म करने के लिए कहा था।

लड़ाई जारी रहने पर उन्होंने अमेरिकी व्यापार बंद करने की धमकी दी थी। थाईलैंड और कंबोडिया के नेताओं ने लड़ाई खत्म करने की उनकी सलाह के लिए शुक्रिया कहा है लेकिन मलेशिया में वार्ता करेंगे।

विदेश मंत्री हसन ने कहा, दोनों ही देशों ने शांति वार्ता का हमारा अनुरोध माना है और हमारी मध्यस्थता स्वीकार की है।

मलेशिया ने की मध्यस्थता की पेशकश- मलेशिया को उम्मीद है कि जल्द ही क्षेत्र में शांति स्थापित हो जाएगी। विदित हो कि मलेशिया के पास इस समय दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के संगठन आसियान की अध्यक्षता का दायित्व है।

वहां के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहीम ने गुरुवार को थाईलैंड और कंबोडिया में लड़ाई छिड़ने के बाद शांति की अपील की थी और मध्यस्थता की पेशकश की थी।

थाईलैंड की बाजार में दिनदहाड़े चलने लगी गोलियां, हादसे में 6 लोगों की मौत

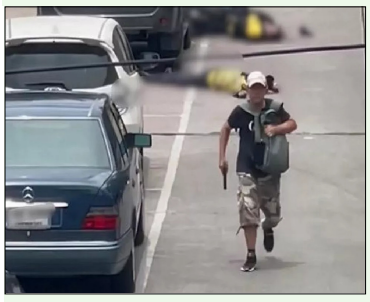

नई दिल्ली (एजेंसी)। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक दिनदहाड़े गोलियों की तड़तड़ाहट से गूंज उठा। एक शख्स ने बीच बाजार में खड़े होकर अचानक फायरिंग शुरू कर दी। इस हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में आरोपी भी शामिल है।

थाई पुलिस के अनुसार, यह घटना आज सुबह की है। बाजार में मौजूद लोगों पर गोली चलाने के बाद आरोपी ने खुद को भी गोली मार ली और उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

6 लोगों की मौत- बैंकॉक के डीसीपी चारिन गोपट्टा के अनुसार, फायरिंग में आरोपी समेत 6 लोगों की जान चली गई। वहीं, अन्य मृतकों में चार सिक्योरिटी गार्ड भी शामिल हैं। यह फायरिंग बैंकॉक की ओर टो को बाजार में देखने को मिली। यह बाजार अनाज और स्थानीय खाद्य पदार्थों के लिए काफी मशहूर है।

जांच में जुटी पुलिस- फायरिंग की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। इस हादसे की वजह अभी तक सामने नहीं आई है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

जर्मनी में बड़ा रेल हादसा, पटरी से उतरे ट्रेन के दो डिब्बे; 3 लोगों की मौत और कई घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। जर्मनी से एक दुखद खबर सामने आई है। रविवार को दक्षिण-पश्चिमी जर्मनी में एक यात्री ट्रेन पटरी से उतर गई। इस हादसे में तीन लोगों की मौत की खबर है। वहीं, इस हादसे में कई लोगों के घायल होने की सूचना है।

पुलिस के बयान के अनुसार, रिडलिंगन और मुंडेरकिंगन कस्बों के बीच एक यात्री ट्रेन के दो डिब्बे पटरी से उतर गए। इन रेल के डिब्बों में कुल 100 लोग सवार थे। इस हादसे में तीन लोगों की जान चली गई। जहां ये हादसा हुआ है वह क्षेत्र फ्रांस और स्विट्जरलैंड की सीमा पर स्थित है।

घटना की जांच में जुटी पुलिस- जानकारी दें कि इस ट्रेन को सिग्मारिंगन और उल्म के बीच करीब 90 किलोमीटर के सफर को तय करना था। हादसे के बाद पुलिस ने बताया कि इस मामले की जांच शुरू कर दी गई है। वजहों का पता लगाया जा रहा है।

बता दें कि इस घटना एक तस्वीर जर्मन समाचार एजेंसी डीपीए ने जारी की है। सामने आई फोटो में देखा जा सकता है कि डिब्बे काफी हद तक सुरक्षित दिखाई दे रहे हैं, हालांकि ये एक दूसरे से टकराकर पलट गए हैं।

हादसे पर सामने आया जर्मन राष्ट्रीय रेल ऑपरेटर का बयान- इस हादसे को लेकर जर्मन राष्ट्रीय रेल ऑपरेटर डॉयचे बान ने एक बयान जारी किया है। इस बयान में कहा गया कि कई लोग घायल हुए हैं और उनकी संवेदनाएं पीड़ितों और उनके प्रियजनों के साथ हैं।

कंपनी ने कहा कि यह स्पष्ट नहीं है कि ट्रेन के पटरी से उतरने का कारण क्या था, और साथ ही कहा कि वह अधिकारियों को उनकी जांच में सहयोग करेगी।

भारत का दिल से शुक्रिया, बदले-बदले से दिख रहे मोहम्मद यूनुस; किस बात के लिए कहा थैंक्यू?

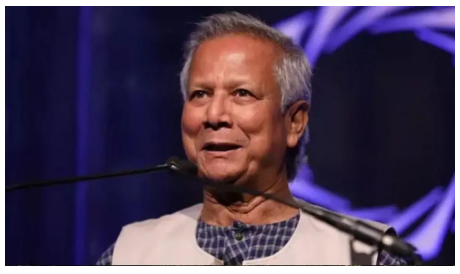

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश सरकार के मुख्य सलाहकार प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस ने भारतीय चिकित्सकों और नर्सों को खास तरीके से शुक्रिया अदा किया है। दरअसल, मोहम्मद यूनुस ने पिछले दिनों ढाका में हुए विमान हादसे के पीड़ितों के इलाज के लिए भारतीय चिकित्सकों को शुक्रिया कहा है।

इतना ही नहीं उन्होंने भारत के अलावा चीन और सिंगापुर के मेडिकल स्टाफ के प्रति भी अपना आभार व्यक्त किया है। मोहम्मद यूनुन ने एक बयान में कहा कि उन्होंने बहुत दिल से घायलों की सेवा की है। दरअसल, ढाका में पिछले हफ्ते एक विमान हादसा हो गया था, जिसमें कई लोगों की मौत हुई थी।

प्रतिनिधिमंडल से यूनुस ने की मुलाकात- जानकारी दें कि गत दिनों बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार प्रोफेसर मुहम्मद यूनुस ने सिंगापुर, चीन और भारत के 21 चिकित्सकों और नर्सों के एक प्रतिनिधिमंडल से रविवार को मुलाकात की।

इस दौरान मोहम्मद यूनुस ने स्वास्थ्य पेशेवरों द्वारा दी गई त्वरित सेवाओं और प्रतिक्रिया तथा मदद के लिए आभार व्यक्त किया। इसके साथ मोहम्मद यूनुस ने बांग्लादेश में इस राष्ट्रीय संकट के समय उनके समर्पण के लिए एकजुटता की सराहना की। उन्होंने कहा कि ये टीमें न केवल अपने कौशल के साथ बल्कि अपने दिल के साथ आई हैं।

जानकारी दें कि ढाका में हुए विमान हादसे में कई लोग बुरी तरीके से घायल हो गए।

आप फ्लाइट में नहीं बैठ सकतीं..., महिला को कॉस्मैटिक सर्जरी कराना पड़ा भारी, एअरलाइन ने भेजा वापस

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले हफ्ते एक महिला कॉस्मैटिक सर्जरी के सिलसिले में पिछले हफ्ते ह्यूस्टन से मियामी गई। सर्जरी पूरी होने के बाद डॉक्टर ने उसे ट्रैवल करने की इजाजत दे दी। ऐसे में घर वापस जाने की खुशी में जब महिला एअरपोर्ट पहुंची, तो उसे फ्लाइट में नहीं चढ़ने दिया गया।

यह मामला अमेरिका के फ्लोरिडा स्थित मियामी अंतरराष्ट्रीय एअरपोर्ट का है। स्पिरिट एअरलाइंस ने महिला को वापस लौटा दिया। महिला ने बहुत गुजारिश की, लेकिन एअरलाइन ने उसकी एक नहीं सुनी।

महिला का दावा- महिला का नाम शतारिया बैंक्स है। शतारिया ने मियामी एअरपोर्ट पर हुए सलूक का वीडियो बनाया है। इस वीडियो में उन्हें कहते हुए सुना जा सकता है ÷मेरे पास मेडिकल क्लियरेंस है। मेरे डॉक्टर ने मुझे उड़ान भरने की इजाजत दे दी है। इसके बावजूद मुझे फ्लाइट में नहीं घुसने दिया गया।

कॉस्मैटिक सर्जरी है वजह- शतारिया के अनुसार, उनकी कॉस्मैटिक सर्जरी हुई है। उन्होंने सर्जरी से जुड़ी जानकारी देने से साफ इनकार कर दिया है। उनका कहना है कि सर्जरी के बाद पूरी रिकवरी करने पर ही उन्होंने वापस जाने का फैसला किया था। मगर स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों के कारण स्पिरिट एअरलाइंस ने उन्हें फ्लाइट में बैठने की इजाजत नहीं दी।

एअरलाइन ने क्या कहा- स्पिरिट एअरलाइंस का कहना है कि यात्रियों की सुरक्षा उनकी पहली प्राथमिकता है। हमारे रिकॉर्ड्स दिखाते हैं कि हम मेडिकल प्रोफेशनल से सलाह लेने के बाद ही यात्रियों को बैठने की इजाजत देते हैं।

मराठी परिवार होना मेरी सबसे बड़ी भूल..., मंत्री पद न मिलने पर NCP नेता ने क्यों कहा ऐसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र में मराठा अधिकार की आवाज अब सत्तापक्ष के खेमे में भी दस्तक देने लगी है। एनसीपी नेता प्रकाश सोलंके ने इसे लेकर अपनी की सरकार पर हमला बोल दिया है। उनका कहना है कि उन्हें अभी तक मंत्री पद नहीं मिला, जिसकी सबसे बड़ी वजह उनका मराठी होना है।

प्रकाश सोलंके चार बार मालेगांव से विधायक रह चुके हैं। रविवार को बीड में मीडिया से बात करते हुए प्रकाश ने कहा कि बीड में मराठा ही एनसीपी को मजबूत बनाते हैं। हालांकि जब मंत्री पद या गार्जियन मंत्री बनाने की बात आती है तो पार्टी मराठाओं को ही नजरअंदाज कर देती है।

धनंजय मुंडे पर दिया बयान- प्रकाश सोलंके ने पार्टी नेता अजित पवार और पूर्व मंत्री धनंजय मुंडे पर भी तंज कसा है। उन्होंने कहा धनंजय मुंडे की जांच पूरी होने के बाद अगर उन्हें क्लीन चिट मिली, तो उन्हें फिर से मंत्री बना दिया जाएगा।

उन्होंने कहा- एनसीपी के सभी नेता चाहे वो शरद पवार हों या अजित पवार, सब सिर्फ ओबीसी समुदाय के लोगों को ही तवज्जो देते हैं। बीड में मराठा समुदाय एनसीपी का बड़ा समर्थन रहा है। मगर मंत्रीपद हमेशा ओबीसी या पिछले समुदाय के लोगों को मिलता है।

प्रकाश सोलंके ने इसके लिए पार्टी की विचारधारा को जिम्मेदार ठहराया है। उनका कहना है ज्योतिबा फुले, राजश्री साहू महाराज और बीआर अंबेडकर की विचारधार पर चलने के कारण पार्टी ओबीसी और पिछले वर्गों को ज्यादा अहमियत देती है।

प्रकाश सोलंके के अनुसार, कैबिनेट बनते समय मंत्री पद के लिए कई नाम सामने आते हैं। मगर मंत्री वही बनता है, जिसका नाम पार्टी नेतृत्व के द्वारा आगे रखा जाता है। प्रकाश सोलंके ने कहा-

बिहार SIR मामले में EC को राहत, वोटर लिस्ट के प्रकाशन पर भी विपक्ष को झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में आज SIR से जुड़े मामले में सुनवाई हुई। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने विपक्ष को एक और झटका दिया है। शीर्ष न्यायालय ने चुनावी राज्य बिहार में मसौदा मतदाता सूची के प्रकाशन पर रोक लगाने से इनकार कर दिया और कहा कि वह निर्वाचन आयोग की मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ याचिकाओं पर एक बार निर्णय करेगा।

दरअसल, इस मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ कर रही है। पीठ ने कहा कि वह 29 जुलाई को मामले की अंतिम सुनवाई के लिए समय तय करेगी।

जानकारी दें कि एक गैर सरकारी संगठन की ओर से पेश वरिष्ठ वकील ने गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि मतदाता सूचियों को अंतरिम रूप से अंतिम रूप नहीं दिया जाना चाहिए और मसौदा सूचियों के प्रकाशन पर अंतरिम रोक लगा दी जानी चाहिए।

इसके बाद मामले की सुनवाई कर रही पीठ ने कोर्ट के पूराने आदेश पर गौर किया।

एक-दो नहीं... 183 बार फ्लाइट्स में आई तकनीकी खराबियां, संसद में सरकार ने दिया पूरा डाटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल के दिनों में एयरलाइनों में तकनीकी समस्याओं की बात लगातार सामने आ रही है। इस साल अब तक भारतीय एयरलाइनों में 183 तकनीकी खराबियों की सूचना मिली है।

सरकार ने सोमवार को बताया कि पिछले साल यानी 2024 में तकनीकी गड़बड़ियों में करीब 6 प्रतिशत की गिरावट देखी गई थी। यह जानकारी तब सामने आई है जब 12 जून को अहमदाबाद से लंदन जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट के क्रैश में 260 लोगों की मौत हो गई थी।

अहमदाबाद विमान हादसे के बाद विमानन महानिदेशालय ने सुरक्षा से जुड़े अहम हिस्सों की जांच को और सख्त कर दिया है। बता दें, इस हादसे में एअर इंडिया का बोइंग 787-8 टेकऑफ के कुछ समय बाद ही दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। यह फ्लाइट अहमादाबद से लंदन गेटविक के लिए रनावा हुई थी।

2025 में 23 जुलाई तक कुल 183 तकनीकी खराबियों की रिपोर्ट मिली है। जबकि, 2024 में यह संख्या 421 रही जो 2023 की 448 रिपोर्ट की तुलना में थोड़ी कम है। 2022 में 528 और 2021 में 514 तकनीकी खराबियां दर्ज की गई थीं।

अगर राफेल जेट्स गिराए गए हैं तो ये बहुत बड़ा नुकसान है, ऑपरेशन सिंदूर पर गौरव गोगोई ने सरकार से पूछे तीखे सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र के दौरान ऑपरेशन सिंदूर पर महाबहस चल रही है। लोकसभा में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बाद बोलते हुए कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि माननीय मंत्री बोले तो बहुत लेकिन ये नहीं बताया कि आतंकी पहलगाम तक पहुंचे कैसे?

इसके अलावा उन्होंने ये भी कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अगर कुछ राफेल जेट्स गिराए गए हैं तो ये बहुत बड़ा नुकसान है। लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गोगोई ने कहा, यह सूचना युद्ध का युग है। माननीय मंत्री ने बहुत कुछ कहा, लेकिन यह जवाब नहीं दिया कि आतंकवादी पहलगाम तक कैसे पहुंच पाए और वहां 26 लोगों की हत्या कैसे कर पाए?

ऑपरेशन सिंदूर की सच्चाई जानने का हक- उन्होंने कहा, सरकार को स्पष्ट करना होगा। भारत के लोग ऑपरेशन सिंदूर के पीछे की सच्चाई जानने के हकदार हैं। गौरव गोगोई ने कहा कि विपक्ष ने ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष बहस की मांग ठीक नहीं सवालों को पूछने के लिए की थी। सरकार को जिम्मेदारी लेनी चाहिए, न कि जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के पीछे छिपना चाहिए।

पीएम मोदी ने बिहार में दिया राजानीतिक भाषण- गोगोई ने अपने भाषण की शुरुआत ये कहते हुए की कि पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद कुछ ताकतें गलत सूचना फैलाने के लिए काम कर रही हैं। उन्होंने ये भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सऊदी अरब की यात्रा के बाद बिहार में एक राजनीतिक भाषण दिया, बजाय इसके कि वो प्रभावित क्षेत्र का तुरंत दौरा करते। उन्होंने कहा, केवल हमारे नेता राहुल गांधी वहां पर प्रभावित लोगों से मिलने के लिए गए।

स्टूडेंट्स सुसाइड क्यों कर रहे हैं? सुप्रीम कोर्ट ने देश के इन दो टॉप कॉलेज से मांगा जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार के देश के दो प्रमुख शैक्षणिक संस्थान IIT खड़गपुर और शारदा यूनिवर्सिटी में हुई छात्र आत्महत्याओं के मामले पर गंभीर चिंता जताई है।

जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने इन मामलों पर स्वत: संज्ञान लेते हुए संस्थानों से जवाब मांगा है और पुलिस को चार हफ्ते में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है।

बेंच ने सख्त लहजे में पूछे सवाल- बेंच ने सख्त लहजे में पूछा कि छात्र आत्महत्या क्यों कर रहे हैं? संस्थान का प्रबंधन क्या कर रहा है? कोर्ट ने उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल पुलिस को भी कहा कि वे इन मामलों की पूरी जानकारी दें।

बता दें, शारदा यूनिवर्सिटी ग्रेटर नोएडा की छात्रा ज्योति शर्मा जो BDS (डेंटल) की सेकेंड ईयर की छात्रा थी उसने हाल ही में हॉस्टल में आत्महत्या कर ली थी। इस पर कोर्ट को अमीकस क्यूरी अपर्णा भट्ट ने जानकारी दी कि छात्रा के पिता ने घटना के दो घंटे के भीतर स्नद्धक्र दर्ज कराई थी। घटनास्थल से सुसाइड नोट भी मिला है और दो लोगों की गिरफ्तारी भी हो चुकी है।

हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने यूनिवर्सिटी प्रशासन पर सवाल उठाए हैं। कोर्ट ने पूछा, क्या छात्रों ने पिता को जानकारी दी थी? कॉलेज में पुलिस प्रशासन को तुरंत सूचना क्यों नहीं दी? कोर्ट ने इसे प्रशासन की लापरवाही बताया और पहले दिए गए आदेशों का पालन करने पर नाराजगी जाहिर की।

IIT खड़गपुर के मेकेनिकल इंजीनियरिंग के चौथे वर्ष के छात्र ऋत्तम मंडल ने 18 जुलाई को आत्महत्या कर ली थी।

वे कोलकाता के निवासी थे और पांच वर्षीय ड्यूल डिग्री प्रोग्राम में पढ़ रहे थे। इस साल की शुरुआत से अब तक संस्थान में ये चौथी आत्महत्या है।

झालावाड़ हादसे के बाद भी नहीं जागी सरकार! अब जैसलमेर में सरकारी स्कूल का गेट गिरने से 6 साल के मासूम की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले दिनों राजस्थान के झालावाड़ में एक दर्दनाक घटना घटी थी, जहां एक स्कूल की छत गिरने के कारण सात बच्चों की मौत हो गई थी। अब जैसलमेर से एक बड़ा हादसा सामने आया है, जहां छह वर्षीय एक बच्चे की मौत हो गई।

जैसलमेर जिले में एक स्कूल के मुख्य गेट की छत गिरने से यह हादसा हुआ है। इस हादसे में एक बच्चे की मौत हुई है और एक शिक्षक गंभीर रूप से घायल हो गया। हाजसा स्कूल की छुट्टी के वक्त हुआ था, जब बच्चे बाहर निकल रहे थे।

मृतक बच्चे की हुई पहचान- यह दर्दनाक घटना रामगढ़ क्षेत्र में सोमवार को एक सरकारी स्कूल में हुई। मृतक बच्चे की पहचान अर्बाज खान के रूप में हुई है। घायल शिक्षक का नाम अशोक कुमार सोनी है, जिन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घटना की पुष्टि जैसलमेर के एसपी अभिषेक शिवहरे ने की है। उन्होंने बताया कि फिलहाल स्थिति पर नजर रखी जा रही है। इस हादसे के बाद बच्चे के परिजन सदमे और गुस्से में हैं। अर्बाज के परिवार वाले और रिश्तेदार बच्चे के शव के साथ स्कूल के बाहर धरने पर बैठ गए।

क्या है परिवार वालों की मांग- परिवार वाले दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग कर धरना प्रदर्शन किया। हालांकि, पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच चुकी है और परिजनों से बातचीत जारी है ताकि स्थिति को शांत किया जा सके।

इस घटना के बाद राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने दुख जताते हुए राज्य सरकार को घेरा है। उन्होंने कहा कि बारिश के मौसम में ऐसी घटनाएं चिंता का विषय है। सरकार को तुरंत कदम उठाने चाहिए ताकि बच्चों की जान न जाए।

उन्होने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, जैसलमेर के सरकारी स्कूल में गेट गिरने से बच्चे की मौत बेहद दुखद है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

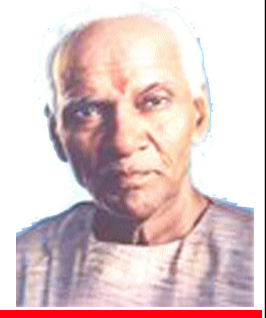

विक्रम संवत 2079 शुक्ल पंचमी

संपादकीय

बड़े बुजुर्गों की वैचारिकता, सोच, कहावतें, प्रेरणा, मार्गदर्शन हमारे लिए एक अणखुट ख़जाना है

भारतीय संस्कृति, सभ्यता और हमारे पूर्वजों, बड़े बुजुर्गों की वैचारिकता, सोच, कहावतें, प्रेरणा, मार्गदर्शन, हमारे लिए अनमोल धरोहर ही नहीं एक अणखुट ख़जाना भी है, मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि अगर हम अपनी संस्कृति, सभ्यता और पूर्वजों, बड़े बुजुर्गों की वैचारिक को ग्रहण कर उनकी बताई राहों, उनके द्वारा कही कहावतों पर गहराई से सोचें तो हमें एक-एक शब्द या लाइन में बहुत बड़ी सीख, प्रेरणा, मार्गदर्शन मिल सकता है जो उम्र का तकाज़ा, समय का तकाज़ा, समय बड़ा बलवान रे भैया समय बड़ा बलवान, मुख में राम बगल में छुरी, आवश्यकता ही आविष्कार की जननी है, इत्यादि ऐसे अनेक सुने अनसुने शब्द कहावतें हैं जिनकी गहराई में जाकर उनका सकारात्मक मतलब निकाल कर हम बुराई से बच सकते हैं और मूल्यवान शब्दों को अपनाकर अपना जीवन संवार सकते हैं।

साथियों इसी कड़ी में बात अगर हम समय का तकाज़ा की करें तो बड़े बुजुर्गों का कहना है कि हमें अपनें जीवन को समय के अनुसार बदलने से ही सर्वसुख संपन्नता के ज्ञान का बोध होता क्योंकि समय एक सा नहीं रहता समय का चक्र हमेशा घूमता, बदलता रहता है कल जो हमारे पास परिस्थितियां थी अब बदल चुकी होतीहै और हमें उन बदली हुई परिस्थितियों के अनुसार अपने को ढालना समय का सही मूल्यांकन हैं, क्योंकि जब दो पीढ़ियों की उम्र का गैप परिवार में आता है तो वैचारिक मतभेद आना स्वाभाविक ही है इसलिए हम बड़ों को चाहिए कि पारिवारिक बिखराव को रोकने, नई पीढ़ी के साथ सकारात्मक विचारों के साथ सामंजस्य बैठाना समय की मांग है क्योंकि बदलते आधुनिक परिपेक्ष में नए सकारात्मक वैचारिकता धारण करना समय की मांग है क्योंकि जो समय को छोड़ देता देता है समय उनको छोड़ देता है।

साथियों बात अगर हम नई पीढ़ी के विचारों की करें तो ऐसा नहीं है कि हमें उनकी हर बातों में सामंजस्य बैठाना होगा, हमें उनकी सकारात्मक बात कैच कर उनके नकारात्मक बातों को उनके विचारों से हटाने का काम उनके साथ वैचारिक सामंजस्य बैठाकर ही करना होगा न कि पहले वाला तनावग्रस्त, आदेशात्मक व्यवहार, हमें अपने व्यवहार को सकारात्मक, प्रेरणादायक और मार्गदर्शन रूपी स्वभाव में बदलना होगा तो नई पीढ़ी से भी हमें सकारात्मक और अपनेपन का स्वभाव मिलेगा तब हम एक और एक ग्यारह का फ़ल प्राप्त कर आर्थिक, सामाजिक, नैतिक स्तर पर बलवान बनेंगे।

साथियों भारत अगर हम पुरानी पीढ़ी की वैचारिक मतभेद की करें तो, संभवतःजो लोग पुरानी पीढ़ी से संबंध रखते हैं वे युवा पीढ़ी को हमेशा शायद संदेह की नज़र के साथ देखते हैं।

वे युवा पीढ़ी के साथ सामंजस्य नहीं बैठा पा रहे हैं। उन्हें लगता है कि उनका गुज़रा हुआ समय सबसे अच्छा समय था क्योंकि उस समय वे युवा थे और अपने बुजुर्गों का आदर करते थे तथा उनके प्रति अधिक आज्ञाकारी थे।

वे ऐसा मानते थे कि अपने बुजुर्गों का अपमान करने से परिवार को अपूरणीय क्षति हो सकती है। इसके विपरीत आज के समय में युवाओं का मानना है कि उन्हें वृद्धों पर अत्यधिक निर्भर नहीं रहना चाहिए और उन्हें सब कुछ खुद करने के लिए आत्मनिर्भर होना चाहिए। युवा परिवार में अपने बुजुर्गों द्वारा दी सलाह का पालन करना शायद नापसंद करते हैं। जीवन की गति इतनी तेज हो गई है कि माता-पिता अपने बच्चों के लिए थोड़ा सा समय ही निकाल पाते हैं। युवा और बुजुर्ग पीढ़ी के बीच समझ और अंतरंगता को विकसित करने के प्रयास कम किए जा रहे हैं।

नाग पंचमी

नाग पंचमी हिन्दुओं का एक प्रमुख त्योहार है। हिन्दू पंचांग के अनुसार सावन माह की शुक्ल पक्ष के पंचमी को नाग पंचमी के रूप में मनाया जाता है। इस दिन नाग देवता या सर्प की पूजा की जाती है और उन्हें दूध से स्नान कराया जाता है। लेकिन कहीं-कहीं दूध पिलाने की परम्परा चल पड़ी है। नाग को दूध पिलाने से पाचन नहीं हो पाने या प्रत्यूर्जता से उनकी मृत्यु हो जाती है। शास्त्रों में नागों को दूध पिलाने को नहीं बल्कि दूध से स्नान कराने को कहा गया है। इस दिन नवनाग की पूजा की जाती है। आज के पावन पर्व पर वाराणसी (काशी) में नाग कुआँ नामक स्थान पर बहुत बड़ा मेला लगता है, किंवदन्ति है कि इस स्थान पर तक्षक गरूड़ जी के भय से बालक रूप में काशी संस्कृत की शिक्षा लेने हेतु आये, परन्तु गरूर पत्नी के सखियों से तक्षक रुपी बालक के बारे में बतलाने के कारण गरूड़ जी को इसकी जानकारी हो गयी,और उन्होंने तक्षक पर हमला कर दिया, परन्तु अपने गुरू जी के प्रभाव से गरूड़ जी ने तक्षक नाग को अभय दान कर दिया, उसी समय से यहाँ नाग पंचमी के दिन से यहाँ नाग पूजा की जाती है,यह मान्यता है, कि जो भी नाग पंचमी के दिन यहाँ पूजा अर्चना कर नाग कुआँ का दर्शन करता है, उसकी जन्मकुन्डली के सर्प दोष का निवारण हो जाता है। नागपंचमी के ही दिन अनेकों गांव व कस्बों में कुश्ती का आयोजन होता है जिसमें आसपास के पहलवान भाग लेते हैं। गाय, बैल आदि पशुओं को इस दिन नदी, तालाब में ले जाकर नहलाया जाता है। महाराष्ट्र के बत्तीस शिराळा गाव में सर्प प्रदर्शन होता हैं

संस्कृति- हिन्दू संस्कृति ने पशु-पक्षी, वृक्ष-वनस्पति सबके साथ आत्मीय संबंध जोड़ने का प्रयत्न किया है। हमारे यहां गाय की पूजा होती है। कई बहनें कोकिला-व्रत करती हैं। कोयल के दर्शन हो अथवा उसका स्वर कान पर पड़े तब ही भोजन लेना, ऐसा यह व्रत है। हमारे यहाँ वृषभोत्सव के दिन बैल का पूजन किया जाता है। वट-सावित्री जैसे व्रत में बरगद की पूजा होती है, परन्तु नाग पंचमी जैसे दिन नाग का पूजन जब हम करते हैं, तब तो हमारी संस्कृति की विशिष्टता पराकाष्टा पर पहुंच जाती है।

गाय, बैल, कोयल इत्यादि का पूजन करके उनके साथ आत्मीयता साधने का हम प्रयत्न करते हैं, क्योंकि वे उपयोगी हैं। लेकिन नाग हमारे किस उपयोग में आता है, उल्टे यदि काटे तो जान लिए बिना न रहे। हम सब उससे डरते हैं। नाग के इस डर से नागपूजा शुरू हुई होगी, ऐसा कई लोग मानते हैं, परन्तु यह मान्यता हमारी संस्कृति से सुसंगत नहीं लगती। नाग को देव के रूप में स्वीकार करने में आर्यों के हृदय की विशालता का हमें दर्शन होता है। कृण्वन्तो विश्वमार्यम्? इस गर्जना के साथ आगे बढ़ते हुए आर्यों को भिन्न-भिन्न उपासना करते हुए अनेक समूहों के संपर्क में आना पड़ा। वेदों के प्रभावी विचार उनके पास पहुँचाने के लिए आर्यों को अत्यधिक परिश्रम करना पड़ा। विभिन्न समूहों को उपासना विधि में रहे फर्क के कारण होने वाले विवाद को यदि निकाल दिया जाए तो मानव मात्र वेदों के तेजस्वी और भव्य विचारों को स्वीकार करेगा, इस पर आर्यों की अखण्ड श्रद्धा थी। इसको सफल बनाने के लिए आर्यों ने अलग-अलग पुंजों में चलती विभिन्न देवताओं की पूजा को स्वीकार किया और अलग-अलग पुंजों को उन्होंने आत्मसात करके अपने में मिला लिया। इन विभिन्न पूजाओं को स्वीकार करने के कारण ही हमें नागपूजा प्राप्त हुई होगी, ऐसा लगता है।

भारत वर्ष में सर्प पूजन- भारत देश कृषिप्रधान देश हैं सांप खेतों का रक्षण करता है, इसलिए उसे क्षेत्रपाल कहते हैं। जीव-जंतु, चूहे आदि जो फसल को नुकसान करने वाले तत्व हैं, उनका नाश करके सांप हमारे खेतों को हराभरा रखता है। साँप हमें कई मूक संदेश भी देता है। साँप के गुण देखने की हमारे पास गुणग्राही और शुभग्राही दृष्टि होनी चाहिए। भगवान दत्तात्रय की ऐसी शुभ दृष्टि थी, इसलिए ही उन्हें प्रत्येक वस्तु से कुछ न कुछ सीख मिली।

साँप सामान्यतया किसी को अकारण नहीं काटता। उसे परेशान करने वाले को या छेड़ने वालों को ही वह डंसता है। साँप भी प्रभु का सर्जन है, वह यदि नुकसान किए बिना सरलता से जाता हो, या निरुपद्रवी बनकर जीता हो तो उसे मारने का हमें कोई अधिकार नहीं है। जब हम उसके प्राण लेने का प्रयत्न करते हैं, तब अपने प्राण बचाने के लिए या अपना जीवन टिकाने के लिए यदि वह हमें डँस दे तो उसे दुष्ट कैसे कहा जा सकता है? हमारे प्राण लेने वालों के प्राण लेने का प्रयत्न क्या हम नहीं करते? साँप को सुगंध बहुत ही भाती है। चंपा के पौधे को लिपटकर वह रहता है या तो चंदन के वृक्ष पर वह निवास करता है। केवड़े के वन में भी वह फिरता रहता है। उसे सुगंध प्रिय लगती है, इसलिए भारतीय संस्कृति को वह प्रिय है। प्रत्येक मानव को जीवन में सद्गुणों की सुगंध आती है, सुविचारों की सुवास आती है, वह सुवास हमें प्रिय होनी चाहिए।

हम जानते हैं कि साँप बिना कारण किसी को नहीं काटता। वर्षों परिश्रम संचित शक्ति यानी जहर वह किसी को यों ही काटकर व्यर्थ खो देना नहीं चाहता। हम भी जीवन में कुछ तप करेंगे तो उससे हमें भी शक्ति पैदा होगी। यह शक्ति किसी पर गुस्सा करने में, निर्बलों को हैरान करने में या अशक्तों को दुःख देने में व्यर्थ न कर उस शक्ति को हमारा विकास करने में, दूसरे असमर्थों को समर्थ बनाने में, निर्बलों को सबल बनाने में खर्च करें, यही अपेक्षित है।

सर्प मणि- कुछ दैवी साँपों के मस्तिष्क पर मणि होती है। मणि अमूल्य होती है। हमें भी जीवन में अमूल्य वस्तुओं को (बातों को) मस्तिष्क पर चढ़ाना चाहिए। समाज के मुकुटमणि जैसे महापुरुषों का स्थान हमारे मस्तिष्क पर होना चाहिए। हमें प्रेम से उनकी पालकी उठानी चाहिए और उनके विचारों के अनुसार हमारे जीवन का निर्माण करने का अहर्निश प्रयत्न करना चाहिए। सर्व विद्याओं में मणिरूप जो अध्यात्म विद्या है, उसके लिए हमारे जीवन में अनोखा आकर्षण होना चाहिए। आत्मविकास में सहायक न हो, उस ज्ञान को ज्ञान कैसे कहा जा सकता है?

साँप बिल में रहता है और अधिकांशतः एकान्त का सेवन करता है। इसलिए मुमुक्षु को जनसमूह को टालना चाहिए। इस बारे में साँप का उदाहरण दिया जाता है।

देव-दानवों द्वारा किए गए समुद्र मंथन में साधन रूप बनकर वासुकी नाग ने दुर्जनों के लिए भी प्रभु कार्य में निमित्त बनने का मार्ग खुला कर दिया है। दुर्जन मानव भी यदि सच्चे मार्ग पर आए तो वह सांस्कृतिक कार्य में अपना बहुत बड़ा योग दे सकता है और दुर्बलता सतत खटकती रहने पर ऐसे मानव को अपने किए हुए सत्कार्य के लिए ज्यादा घमंड भी निर्माण नहीं होगा। दुर्जन भी यदि भगवद् कार्य में जुड़ जाए तो प्रभु भी उसको स्वीकार करते हैं, इस बात का समर्थन शिव ने साँप को अपने गले में रखकर और विष्णु ने शेष-शयन करके किया है।

समग्र सृष्टि के हित के लिए बरसते बरसात के कारण निर्वासित हुआ साँप जब हमारे घर में अतिथि बनकर आता है तब उसे आश्रय देकर कृतज्ञ बुद्धि से उसका पूजन करना हमारा कर्तृत्व्य हो जाता है। इस तरह नाग पंचमी का उत्सव श्रावण महीने में ही रखकर हमारे ऋषियों ने बहुत ही औचित्य दिखाया है।

विधि- प्रातः उठकर घर की सफाई कर नित्यकर्म से निवृत्त हो जाएँ।

पश्चात स्नान कर साफ-स्वच्छ वस्त्र धारण करें।

पूजन के लिए सेंवई-चावल आदि ताजा भोजन बनाएँ। कुछ भागों में नागपंचमी से एक दिन भोजन बना कर रख लिया जाता है और नागपंचमी के दिन बासी खाना खाया जाता है।

इसके बाद दीवाल पर गेरू पोतकर पूजन का स्थान बनाया जाता है। फिर कच्चे दूध में कोयला घिसकर उससे गेरू पुती दीवाल पर घर जैसा बनाते हैं और उसमें अनेक नागदेवों की आकृति बनाते हैं।

कुछ जगहों पर सोने, चांदी, काठ व मिट्टी की कलम तथा हल्दी व चंदन की स्याही से अथवा गोबर से घर के मुख्य दरवाजे के दोनों बगलों में पाँच फन वाले नागदेव अंकित कर पूजते हैं।

सर्वप्रथम नागों की बांबी में एक कटोरी दूध चढ़ा आते हैं।

ब्रिटेन के साथ FTA से भारत को भारी नुकसान, पहले साल उठाना होगा 4060 करोड़ का घाटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। ब्रिटेन के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट के पहले साल में भारत को 4,060 करोड़ रुपये के सीमा शुल्क राजस्व का नुकसान होने का अनुमान है। ऐसा इसलिए क्योंकि कई वस्तुओं पर शुल्क कम या समाप्त कर दिया गया है। आर्थिक शोध संस्थान 'ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव' की सोमवार को जारी कैलकुलेशन ब्रिटेन से मौजूदा आयात आंकड़ों पर आधारित है।

इसमें कहा गया कि 10वें साल तक, जैसे-जैसे शुल्क उन्मूलन चरणबद्ध तरीके से व्यापक रूप से लागू होगा वित्त वर्ष 2024-25 के व्यापार की मात्रा के आधार पर वार्षिक घाटा बढ़कर 6,345 करोड़ रुपये या लगभग 57.4 करोड़ ब्रिटिश पाउंड तक पहुंचने का अनुमान है।

दोनों ही देशों पर पड़ेगा असर- जीटीआरआई ने कहा कि 24 जुलाई को हुए भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते से दोनों देशों के सीमा शुल्क राजस्व में कमी आएगी, क्योंकि विभिन्न वस्तुओं पर शुल्क कम या समाप्त कर दिया गया है। भारत ने 2024-25 में ब्रिटेन से 8.6 अरब डॉलर की वस्तुओं का आयात किया। इन आयात में औद्योगिक उत्पादों का बड़ा हिस्सा शामिल है और इन पर 9.2 प्रतिशत का भारित औसत शुल्क था।

व्हिस्की व जिन जैसी वस्तुओं को छोड़कर अधिकतर कृषि उत्पादों, जिन पर 64.3 प्रतिशत का औसत शुल्क लगता है, उसे शुल्क कटौती से बाहर रखा गया है। इसमें कहा गया है कि भारत ने ब्रिटेन से आयातित वस्तुओं के मूल्य के 64 प्रतिशत पर शुल्क को लागू होते ही तुरंत समाप्त करने की प्रतिबद्धता जताई है।

85% शुल्क कैटेगरियों पर खत्म होंगे चार्ज- कुल मिलाकर, भारत 85 प्रतिशत शुल्क कैटेगरियों पर शुल्क समाप्त कर देगा और 5 प्रतिशत शुल्क कैटेगरियों या उत्पाद कैटेगरियों पर इसे कम करेगा। जीटीआरआई फाउंडर अजय श्रीवास्तव के अनुसार इन फैक्टर्स के आधार पर, समझौते के पहले वर्ष में भारत का अनुमानित रेवेन्यू नुकसान 4,060 करोड़ रुपये है।

गजब हो गया! 29 दिन से इस शेयर में लगातार लग रहा अपर सर्किट, 52 पर आया भाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। सर्किट-टू-सर्किट मल्टीबैगर स्मॉल-कैप स्टॉक कोलाब प्लेटफॉर्म्स के शेयर लगातार फोकस में हैं। आईटी कंपनी के शेयर में आज सोमवार को लगातार 29वां दिन अपर सर्किट लगा है। इसी के साथ यह शेयर 52.51 पर पहुंच गया। इसमें 2त्न का अपर सर्किट लगा। कंपनी का मार्केट कैप 1,071 करोड़ के करीब पहुंच गया। यह निरंतर तेजी 18 जून, 2025 को शुरू हुई थी, और इसने इस साल स्मॉल-कैप क्षेत्र में सबसे चर्चित मल्टीबैगर में से एक के रूप में इसे स्थापित कर दिया है।

स्टॉक अभी भी मई 2025 में दर्ज अपने 52-सप्ताह के उच्चतम स्तर 76.18 से 31 प्रतिशत नीचे कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर, यह अक्टूबर 2024 में छुए गए अपने 52-सप्ताह के निम्नतम स्तर 5.42 से लगभग 870 प्रतिशत बढ़ चुका है। पिछले एक साल में, कोलाब प्लेटफॉर्म्स ने 532 प्रतिशत की भारी बढ़ोतरी दर्ज की है, और शुरुआती निवेशकों के लिए यह एक मल्टीबैगर बन गया है। यह शेयर नवंबर 2024 और अप्रैल 2025 के बीच शेयर 1,000 प्रतिशत से अधिक बढ़ा, मई में इसमें 31 प्रतिशत की गिरावट और जून में 25 प्रतिशत की और गिरावट आई। हालांकि, जुलाई में इसमें तेज उछाल आया है और इस महीने अब तक शेयर 48 प्रतिशत से अधिक चढ़ चुका है।

459% बढ़ा अदाणी की सीमेंट कंपनी का मुनाफा; सुबह मची शेयर खरीदने की होड़, दोपहर बाद पलट गई बाज़ी!

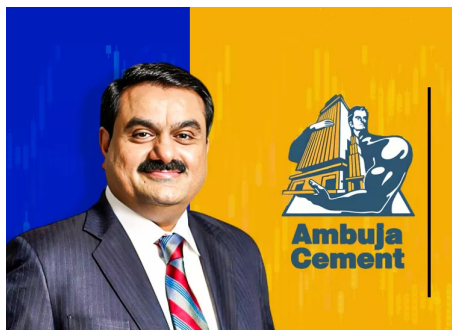

नई दिल्ली (एजेंसी)। अदाणी ग्रुप की सीमेंट कंपनी का शेयर पिछले एक साल में 27त्न से ज्यादा का नुकसान करा चुका है। लेकिन सोमवार, 28 जुलाई को मार्केट खुलते ही इसमें तेजी देखी गई। NSE पर शेयर 259.90 रुपए के साथ ओपन हुआ और कुछ ही देर में 265 रुपए तक पहुंच गया। हालांकि, कारोबारी सत्र में दोपहर के बाद इसमें बड़ी गिरावट दर्ज हुई।

दरअसल, कंपनी ने वित्त-वर्ष 2026 की पहली तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। जिसमें कंपनी को 459% फीसदी का बंपर मुनाफा हुआ। कंपनी का नेट प्रॉफिट बढ़कर 205 करोड़ रुपए हो गया। कंपनी के बेहतरीन प्रदर्शन के नतीजों के बीच निवेशकों में Orient Cement के शेयर खरीदने की होड़ मच गई। हालांकि, बाजार बंद होते-होते इसमें 2.79 फीसदी की गिरावट आ गई और स्टॉक लुढ़ककर 245 रुपए के आसपास करोबार करने लगा।

कितना बढ़ा कंपनी का मुनाफा- अदाणी ग्रुप की कंपनी Orient Cement का मार्केट कैप 5,109 करोड़ रुपए है। नेट प्रॉफिट 459 फीसदी बढ़कर 205 करोड़ रुपए हो गया, जो पिछले साल समान तिमाही में 36.7 करोड़ रुपए था। त्ता के नतीजों के मुताबिक, कंपनी की सेल साल-दर साल 24 फीसदी बढ़कर 866.47 करोड़ रुपए हो गई, जो पिछले साल समान तिमाही में 696.26 करोड़ रुपए थी। वहीं इस तिमाही के दौरान कंपनी का कुल खर्च 12.4 फीसदी बढ़कर 724.28 करोड़ रुपए हो गया।

कैसा स्टॉक्स का प्रदर्शन- ओरिएंट सीमेंट का शेयर पिछले 6 महीने में 24त्न और एक साल में 27त्न से ज्यादा का नुकसान करा चुका है। हालांकि, पांच साल में इसने 284त्न और अब तक कुल 333त्न से ज्यादा का प्रॉफिट दे चुका है। बता दें कि अदाणी ग्रुप की अंबुजा सीमेंट ने 8,100 करोड़ रुपए की इक्विटी के ओरिएंट सीमेंट के अधिग्रहण करने की घोषणा की है। जिसमें ओरिएंट सीमेंट की 46.6 फीसदी हिस्सेदारी शामिल है।

जुलाई में एलआईसी को 46000 करोड़ का लॉस, इन शेयरों ने कराया नुकसान, वैल्यू रह गई 15 लाख करोड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार में रिटर्न के लिहाज से जुलाई का महीना निराश करने वाला रहा है। शुरुआत अच्छी रही लेकिन पिछले कुछ ट्रेडिंग सेशन से मार्केट में लगातार गिरावट हावी है। बाजार में आई इस मंदी के कारण आम निवेशकों के साथ-साथ दिग्गज इन्वेस्टर्स को भी भारी घाटा हुआ है, इनमें एलआईसी भी शामिल है। भारतीय जीवन बीमा निगम के इक्विटी पोर्टफोलियो में जुलाई में अब तक शेयर बाजारों में आई गिरावट के बाद 46,000 करोड़ रुपये नुकसान देखा गया है।

30 जून को निफ्टी50 25669 के हाई से गिरकर अब 24707 के लेवल पर ट्रेड कर रहा है यानी इस अवधि में इंडेक्स 1000 प्वाइंट तक टूट चुका है।

जुलाई में एलआईसी के पोर्टफोलियो को सबसे ज्यादा चोट रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों ने पहुंचाई। क्योंकि, तिमाही नतीजों के बाद इस कंपनी के शेयर बुरी तरह गिर गए। वहीं, 4 आईटी कंपनियों- टीसीएस, इंफोसिस, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और टेक महिंद्रा ने जुलाई में अब तक एलआईसी के पोर्टफोलियो को 15,321 करोड़ रुपये रुपये का लॉस दिया है। 30 जून, 2025 को 16.10 ट्रिलियन से LIC के 322 शेयरों का मूल्य 25 जुलाई, 2025 को 15.64 ट्रिलियन रह गया है, जो 46,000 करोड़ के मार्क-टू-मार्केट नुकसान को दर्शाता है।

यूरोपियन यूनियन के साथ अमेरिका की डील 'डन', 1 अगस्त से पहले कई और देश व्यापार समझौते के प्रयास में

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने की 1 अगस्त की डेडलाइन से पहले कई देश अमेरिका के साथ ट्रेड डील करने में सफल रहे हैं, तो कुछ देश बातचीत की प्रक्रिया में हैं। रविवार को ट्रंप ने यूरोपियन यूनियन के साथ डील का ऐलान किया। उससे पहले जापान के साथ 550 अरब डॉलर का समझौता हुआ था। यूरोपियन यूनियन के साथ अमेरिका की ट्रेड डील अब तक की सबसे बड़ी है। हाल के दिनों में ट्रंप वियतनाम, इंडोनेशिया और फिलिपींस के साथ ट्रेड डील की भी घोषणा कर चुके हैं।

जहां तक भारत की बात है तो वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि ट्रेड वार्ता में अच्छी प्रगति है। उन्होंने ट्रंप प्रशासन से 'प्रेफरेंशियल ट्रीटमेंट' की उम्मीद भी जताई है। जुलाई की शुरुआत में ट्रंप ने 20 देशों को चिट्ठी भेजकर बताया था कि 1 अगस्त से उन पर कितना टैरिफ लगेगा। उन्होंने भारत को ऐसा कोई पत्र नहीं भेजा है।

यूरोपियन यूनियन के साथ सबसे बड़ा समझौता- ट्रंप और यूरोपियन कमीशन की प्रेसिडेंट उर्सुला लेयेन ने रविवार को व्यापार समझौते की घोषणा की। इससे दोनों के बीच ट्रेड वार टल गई है। अमेरिका और ईयू एक-दूसरे के सबसे बड़े व्यापारिक साझीदार हैं। दोनों नेताओं की मुलाकात स्कॉटलैंड में ट्रंप के लक्जरी गोल्फ कोर्स में हुई। अमेरिकी सेंसस ब्यूरो के अनुसार वर्ष 2024 में ईयू के साथ अमेरिका का वस्तु व्यापार घाटा 235 अरब डॉलर था। सर्विसेज के मामले में अमेरिका सरप्लस में है।

इटली की प्रथानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने डील का स्वागत तो किया, लेकिन साथ ही कहा कि इसकी डिटेल का इंतजार है। हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओर्बन ने कहा है कि यह डील अमेरिका-इंग्लैंड समझौते से भी बदतर है।

रॉकेट बना सरकार को बिजली बेचने वाली कंपनी का शेयर, 8% उछला; Q1 में 10,000% प्रॉफिट होने के बाद आई तूफानी तेजी!

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार को बिजली बेचने वाली कंपनी ACME Solar Holdings Ltd का शेयर सोमवार, 28 जुलाई को बाजार खुलते ही रॉकेट बन गया। शेयरों में 8.15% का जबरदस्त उछाल देखने को मिला। कंपनी का स्टॉक ह्स्श्व पर 284.85 रुपए के साथ ओपन हुआ, जो खबर लिखे जाने तक 292 रुपए के आसपास कारोबार कर रहा था।

स्टॉक्स में यह तेजी कंपनी के त्ता तिमाही के नतीजे आने के बाद देखी गई। जिसमें कंपनी का प्रॉफिट 10,000 फीसदी से ज्यादा बढ़ गया। कंपनी का नेट प्रॉफिट 1 करोड़ रुपए से बढ़कर 131 करोड़ रुपए पहुंच गया। इस बीच कंपनी का प्रदर्शन देख निवेशकों के बीच शेयरों को खरीदने की होड़ मच गई।

मार्केट कैप और रेवेन्यू- कंपनी ने हाल ही में वित्त-वर्ष 2026 की पहली तिमाही के नतीजे जारी किए हैं। जिसमें कंपनी को 10,170त्न का तगड़ा मुनाफा हुआ है। इसी के साथ कंपनी का नेट प्रॉफिट 1 करोड़ रुपए से बढ़कर 131 करोड़ रुपए हो गया है। कंपनी का मार्केट कैप 17,684 करोड़ रुपए।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

भोपाल में एमडी ड्रग्स के साथ अवैध हथियारों की तस्करी भी कर रहा था यासीन अहमद

भोपाल। ड्रग्स तस्करी मामले में मास्टरमाइंड यासीन अवैध हथियारों की तस्करी भी करता था। उसने अपने दोस्त जगजीत सिंह जग्गा को 22 बोर का देसी कट्टा बेचा था। शनिवार को हिरासत में लिए गए जग्गा और यासीन ने यह बात कबूल की, जिसके बाद पुलिस ने जग्गा के कोलार स्थित घर से देसी कट्टा जब्त किया। साथ ही जग्गा के कमरे से पुलिस ने गांजा भी जब्त किया है। इसके अलावा शनिवार को पुलिस ने यासीन का बुधवारा क्षेत्र में जुलूस निकाला और उसके तीन मंजिला घर की तलाशी ली।

पुलिस को तलाशी में कुछ इलेक्ट्रानिक गैजेट्स मिले हैं, जिसमें यासीन के पार्टियों के कई फोटो वीडियो हैं। फोटो गैलरी में यासीन के 50 से अधिक ऐसे फोटो-वीडियो भी मिले हैं, जिसमें वह अलग-अलग पिस्टल और कट्टों के साथ दिखाई दे रहा है।पुलिस अब ड्रग्स के साथ अवैध हथियारों की तस्करी को लेकर भी यासीन से पूछताछ कर रही है। इधर, पुलिस पूछताछ में जग्गा ने खुलासा किया है कि वह यासीन और उसके चाचा शाहवर के कहने पर कमीशन के बदले ड्रग्स की सप्लाई करता था। पुलिस अब उससे यासीन के नेटवर्क से जुड़े अन्य पैडलर्स की जानकारी जुटा रही है।हथियारों के साथ 50 से अधिक फोटो और वीडियो मिले

यासीन अहमद व्यापारी होने के साथ ही कालेजों के ग्रुपों के साथ भी जुड़ा हुआ था। यासीन इसी बात का फायदा उठाकर जग्गा के ग्रुपों में सेंधमारी कर युवकों और युवतियों से दोस्ती करता था और उन्हें ड्रग्स की लत लगवाता था। साथ ही महंगी पार्टियों में फ्री एंट्री के बहाने बुलाकर युवतियों का नशे की हालत में होने का फायदा उठाता था।

उसके पास से करीब 17 लड़कियों के शोषण के वीडियो भी मिले हैं। पुलिस की जांच में सामने आया है कि श्यामला हिल्स क्षेत्र में यासीन का पर्सनल फ्लैट है, जहां अक्सर वह पार्टी करता था। यासीन के मोबाइल में युवकों को बंधक बनाकर मारपीट के भी कई वीडियो मिले हैं, जो इसी फ्लैट के बताए जा रहे हैं।

जग्गा के जरिए कालेज के ग्रुपों में सेंधमारी करता था यासीन

शाहवर को भेजा जेल क्राइम ब्रांच ने रविवार को ड्रग्स तस्करी के आरोपित शाहवर अहमद को जेल भेज दिया है। पुलिस ने उसे दो दिन की रिमांड पर लिया था। शुक्रवार रात को पुलिस ने उसके एयरपोर्ट स्थित घर से अहम साक्ष्य एकत्रित किए थे। वहीं रविवार को पुलिस ने कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया है। हालांकि पुलिस अब तक यह सामने नहीं ला सकी है कि शाहवर कहां से ड्रग्स ला रहा था।

जबलपुर के होटल किंग्सवे में जुआ रैकेट का भंडाफोड़, 12 गिरफ्तार, होटल संचालक की तलाश जारी

जबलपुर। पुलिस अधीक्षक जबलपुर सम्पत उपाध्याय (भा.पु.से.) द्वारा जिले मे पदस्थ समस्त राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को संगठित जुआ, सट्टा खिलाने वालों को चिन्हित करते हुए उनके खिलाफ प्रभावी कार्यवाही हेतु आदेशित किया गया है। आदेश के परिपालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर आनंद कलादगी (भा.पु.से.), अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण सूर्यकांत शर्मा एवं एसडीओपी पाटन लोकेश कुमार डाबर, के मार्गदर्शन में पुलिस लाईन एवं थाना पाटन की संयुक्त टीम द्वारा 12 जुआरियों को होटल किंग्सवे के कमरे में जुआ खेलते हुए रंगे हाथ पकड़कर 1 लाख 68 हजार 900 रुपये, 4 फोरव्हीलर, 1 बुलेट एवं 13 नग मोबाइल जब्त किए गए।

दिनॉक 26-7-25 की रात्रि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर आनंद कलादगी (भा.पु.से.) को विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिली कि पाटन में मंडी के पास स्थित होटल किंग्सवे (व्यास मैरिज गार्डन) के कमरा नम्बर 203 में कुछ जुआरी ताश पत्तों पर रुपयों की हार जीत का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं। सूचना पर चौकी प्रभारी धनवंतरी नगर उप निरीक्षक दिनेश गौतम के नेतृत्व में पुलिस लाईन एवं थाना पाटन की संयुक्त टीम द्वारा योजनाबद्ध तरीके से पाटन स्थित किंग्सवे होटल में दबिश दी गई।होटल के कमरा नम्बर 203 का दरवाजा खुलवाया गया, तो कमरे के अंदर कुछ जुआरी डबल बेड पर ताश पत्तों पर रुपयों की हार जीत का दांव लगाकर जुआ खेलते हुए मिले जो पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किए, जिन्हें घेराबंदी कर पकड़ा गया। नाम पता पूछने पर सभी ने अपने नाम क्रमशः पंकज विश्वकर्मा निवासी साहू कालोनी पाटन, राजेन्द्र सिंह ठाकुर निवासी बालाजी कालोनी पाटन, राहुल यादव निवासी करौदी थाना कटंगी, सोनू यादव निवासी चौधरी मोहल्ला पाटन, सौरभ जैन निवासी चंद्रभान पिपरिया पाटन, दीपक सेन निवासी महुआखेड़ा पाटन, विनय कुमार, प्रिंस गौड़ दोनों निवासी ग्राम रिमझा, शैलेष बवेले निवासी गुरू मोहल्ला पाटन, आकाश सिंह पटैल निवासी चौधरी मोहल्ला पाटन, राहुल जैन निवासी बाजार वार्ड पाटन, देवेन्द्र यादव निवासी चौधरी मोहल्ला पाटन बताया।

पुलिस को होटल से ताश पत्ते, रुपये, मोबाइल एवं वाहनों की चाबियां पड़ी हुई थीं। पूछताछ पर जुआरियों द्वारा मौखिक रूप से होटल किंग्सवे (व्यास मैरिज गार्डन) के संचालक द्वारा अपने होटल के कमरों का उपयोग सामान्य जुआ घर के रूप में करना बताया। पुलिस को होटल किंग्सवे का संचालक उपस्थित नहीं मिला। जुआरियों के पास से ताश के 52 पत्ते तथा नगदी 1 लाख 68 हजार 900 रुपये, विभिन्न कम्पनियों के 13 नग मोबाइल कीमती लगभग 3 लाख रूपये के तथा क्रेटा कार क्रमांक एमपी 20 सीजे 9080, क्रेटा कार क्रमांक एमपी 20जेड ई 6300, बिना नम्बर की स्विफ्ट कार, स्विफ्ट कार क्रमांक एमपी 20 सीएम 4981 कीमती लगभग 50 लाख रुपये तथा मोटर साइकल इनफील्ड बुलेट क्रमांक एमपी 20 जेड ए5099 कीमती लगभग 1 लाख रुपये की जब्त करते हुए जुआरियों के विरूद्ध थाना पाटन में धारा 3, 4 जुआ एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुये होटल के संचालक की तलाश जारी है।

सरकार को घेरने वाले भाजपा विधायकों पर रखी जाएगी नजर

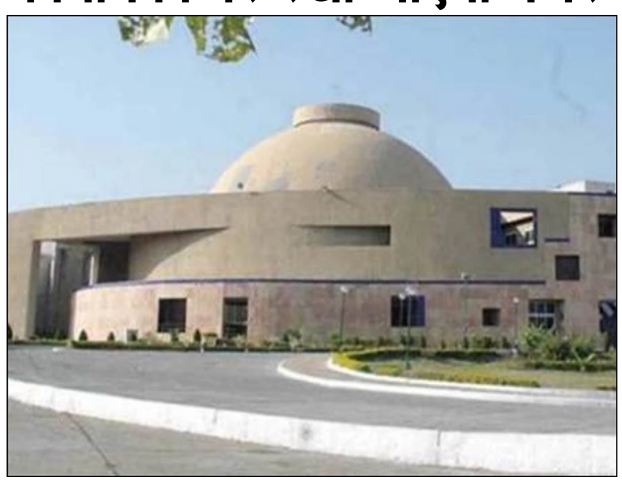

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा में अपनी ही सरकार को घेरने वाले भाजपा विधायकों पर इस बार कड़ी नजर रखी जाएगी। इन विधायकों से पहले ही मिलकर संबंधित विभाग के मंत्री उनके प्रश्नों का संतोषजनक जवाब देंगे। ताकि वे सदन में सरकार को घेरने वाले प्रश्न न कर सकें। इतना ही नहीं भाजपा विधायकों को यह भी बताया जाएगा कि विधानसभा सत्र के दौरान सदन में कौन से सवाल उठाने हैं और कौन से नहीं।

मध्य प्रदेश विधानसभा में आज से मानसून सत्र शुरू हो गया है। सदन में विपक्ष को घेरने की रणनीति पर चर्चा के लिए 29 जुलाई को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में भाजपा विधायक दल की बैठक होगी। इससे पहले भी सरकार समय-समय पर विधानसभा सत्र के दौरान विधायकों को नसीहत देती आई है कि विपक्ष को घेरने की तैयारी करके आएं, लेकिन सरकार के कामकाज पर सवाल उठाने के लिए नहीं बल्कि सदन में विपक्ष के झूठ को बेनकाब करने के लिए।सरकार की हुई थी किरकिरी

दरअसल, पिछली बार विधानसभा सत्र के दौरान आलोट से भाजपा विधायक डॉ. चिंतामणि मालवीय ने आरोप लगाए थे कि उज्जैन में सिंहस्थ की जमीन पर कॉलोनाइजरों की नजर है। सदन में इस पर हंगामा हुआ। विपक्ष के कई सदस्यों ने भाजपा विधायक की बातों का समर्थन कर दिया। इसके अलावा जल जीवन मिशन में घोटाले पर भी विपक्ष के साथ भाजपा विधायकों ने भी सदन में सवाल किए थे, जिससे सरकार की किरकिरी हुई थी।इधर, 31 जुलाई को दिल्ली में भाजपा संसदीय दल की बैठक भी रखी गई है। इनमें प्रदेश से सभी राज्यसभा और लोकसभा सदस्य (सांसद) शामिल होंगे और लोकसभा व राज्यसभा में कौन-कौन से मुद्दे उठाने हैं इसको लेकर चर्चा होगी।

प्रो पंजा लीग का दूसरा सीज़न 5 अगस्त से ग्वालियर में, मध्य प्रदेश की टीम के लिए स्क्वॉड की घोषणा

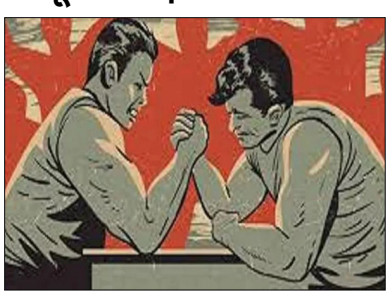

ग्वालियर। प्रो पंजा लीग का बहुप्रतीक्षित दूसरा सीज़न 5 अगस्त से ग्वालियर, मध्य प्रदेश में शुरू होने जा रहा है। पहले सीज़न की सफलता को देखते हुए, अब मध्य प्रदेश को अपनी खुद की आर्म रेसलिंग टीम 'एमपी हथौड़े' के रूप में प्रतिनिधित्व मिलेगा, जिसने आगामी सीज़न में भागीदारी की पुष्टि कर दी है। यह टीम राज्य के शीर्ष आर्म रेसलर्स को मैदान में उतारेगी और भारतीय प्रीमियर लीग की तर्ज़ पर, पूरे 17 दिनों तक ज़बरदस्त मुकाबलों का आयोजन होगा।

यह आर्म रेसलिंग प्रतियोगिता पारंपरिक खेलों की भावना को फिर से जीवित करने का वादा करती है और देश के कुछ सबसे ताकतवर एथलीट्स को सम्मानित करती है। मध्य प्रदेश की टीम के लिए स्क्वॉड की घोषणा कर दी गई है।इस फ्रैंचाइज़ी के ज़रिए न सिर्फ ताकत, बल्कि लोकप्रियता और सांस्कृतिक जुड़ाव को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। ग्वालियर के सचिन गोयल, जिनके सोशल मीडिया पर 40 लाख से अधिक फॉलोअर्स हैं, टीम की पहुँच और प्रचार को मज़बूती देंगे। इसके अलावा, हाल ही में टीम कैप्टन नियुक्त किए गए त्रिदेप मेधी एमपी हथौड़े का नेतृत्व करेंगे।

इंदौर के वार्ड क्रमांक-15 में तीन करोड़ रुपये की लागत से विकास कार्यों का भूमि पूजन एवं लोकार्पण

हमारे किले-महल समृद्ध वैज्ञानिक परंपरा को दिखाते हैं, यह अनुसंधान के केंद्र हैं- मंत्री श्री विजयवर्गीय

इंदौर। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने रविवार को इंदौर विधानसभा क्षेत्र-एक के अंतर्गत वार्ड क्रमांक-15 में तीन करोड़ की लागत से कराए जाने वाले विकास कार्यों का भूमि पूजन एवं लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि वार्ड क्रमांक-15 में निरंतर हो रहे सामाजिक और विकासात्मक प्रयासों के लिए स्थानीय पार्षद श्रीमती ममता सुभाष सुनेरे की सराहना की जानी चाहिए। राजनीति के साथ-साथ सामाजिक और धार्मिक गतिविधियों में भागीदारी से समाज में समरसता आती है। माताएं-बहनें सशक्त बने, आर्थिक रुप से संपन्न बने इसके लिए सेल्फ हेल्प ग्रुप के माध्यम से जुड़कर सहभागीता करनी चाहिए।

वृक्षारोपण शिवलोक की स्थापना के समान है- इस अवसर पर मंत्री श्री विजयवर्गीय ने कहा कि क्षेत्र में आज से एक हजार पौधे और लगातार 11 दिनों तक एक-एक हजार पौधे लगाए जाएंगे। इस तरह 11 हजार पौधे पार्षद श्रीमती ममता सुभाष सुनेर के नेतृत्व में लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अपनी माँ के साथ एक पेड़ जरूरी लगाए। पेड़ जब बड़ा हो जाएगा और उसकी छाया में बैठे तो आपको यह एहसास होगा की हम मां की छाया में ही बैठे हैं। उन्होंने कहा कि सावन के महीने में एक पेड़ लगाना एक शिव मंदिर के निर्माण के समान है। मंत्री श्री विजयवर्गीय ने कहा कि आगे कहा कि पेड़ कार्बन डाई ऑक्साइड रूपी हानिकारक गैसों को ग्रहण करते हैं और अमृत रूपी ऑक्सीजन हमें प्रदान करते हैं।

मंत्री श्री विजयवर्गीय ने कहा कि इंदौर शहर को हरा-भरा बनाना हम सभी की जिम्मेदारी है। हमें बच्चों को विरासत के रूप में यह हरियाली देकर जाना है। यह संपत्ति सोने-चांदी से भी महंगी है। मुझे गर्व है कि इंदौर में वृक्षारोपण के लिए जागृति है। पीएम मोदी के मन की बात कार्यक्रम पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति, हमारी विरासत महान है। यूनेस्को ने हमारे कई किलों को विश्व विरासत सूची में जगह दी है। हमारे किले-महल अनुसंधान के केंद्र है। उस समय इनको बनाने में शुद्ध वायु के आवागमन का ख्याल रखा जाता था इसलिए ये किले हजार साल पहले बगैर ऐसी के शीतल रहते थे। यह हमारी समृद्ध वैज्ञानिक परंपरा को भी बताते हैं। बड़े-बड़े पत्थर कैसे पहाड़ों पर पहुंचाकर किले बनाए यह रिसर्च का विषय है।

खजराना गणेश मंदिर में 1.51 लाख मोदक का भोग, भजन-झांकियों से गूंजेगा पूरा इंदौर

इंदौर। इंदौर के प्रसिद्ध श्री खजराना गणेश मंदिर में दस दिवसीय गणेश महोत्सव 27 अगस्त, गणेश चतुर्थी के दिन से प्रारंभ होगा और अनंत चतुर्दशी को सम्पन्न होगा। महोत्सव के दौरान मंदिर को फूलों और विद्युत सज्जा से आकर्षक रूप में सजाया जाएगा। भगवान श्री गणेश का प्रतिदिन स्वर्ण आभूषणों आदि से विशेष श्रृंगार किया जाएगा और एक लाख 51 हजार मोदकों का भोग अर्पित किया जाएगा, जिसे बाद में श्रद्धालुओं में वितरित किया जाएगा। साथ ही, अन्न क्षेत्र में दस दिनों तक भक्तों के लिए भोजन की विशेष व्यवस्था की जाएगी।

भजन-संध्या, झांकियां और भक्तिमय आयोजन- महोत्सव की अवधि में मंदिर परिसर में प्रतिदिन भजन-संध्या का आयोजन किया जाएगा, जिनमें से तीन दिन प्रमुख भजन गायकों की प्रस्तुतियां रहेंगी। समापन के दिन अनंत चतुर्दशी पर भगवान श्री गणेश और विकासात्मक गतिविधियों पर आधारित नयनाभिराम झांकी निकाली जाएगी। श्रद्धालुओं के दर्शन को सहज बनाने हेतु चार बड़ी एलईडी स्क्रीनों की भी व्यवस्था की जाएगी ताकि अधिकाधिक लोग दर्शन का लाभ ले सकें।

तैयारियों की समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देश- महोत्सव की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को कलेक्टर आशीष सिंह की अध्यक्षता में मंदिर प्रबंध समिति की बैठक आयोजित की गई।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 'सकारात्मक सोच' महिला समूह की पहल को प्रशंसनीय बताया

इंदौर। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' में स्वच्छता आंदोलन में भोपाल की टीम 'सकारात्मक सोच' के स्वच्छता अभियान में किये जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि 2 अक्टूबर 2014 से शुरू किया गया स्वच्छता आंदोलन महत्वपूर्ण पड़ाव पर पहुंच गया है। अब इसका असर देश के अनेक शहरों में दिखाई पड़ रहा है। मध्यप्रदेश में स्वच्छता आंदोलन ने अनेक शहरों की तस्वीर बदली है, इनमें से राजधानी भोपाल भी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सकारात्मक सोच टीम की बहनों के परिश्रम को बधाई दी है और आव्हान किया कि समाज के सभी वर्ग इस सकारात्मक सोच में अपनी सहभागिता करेंगे।

भोपाल टीम 'सकारात्मक सोच'- प्रधानमंत्री श्री मोदी ने भोपाल की टीम 'सकारात्मक सोच' के प्रयासों को उल्लेख किया। 'सकारात्मक सोच' टीम की शुरूआत 2 महिलाओं के साथ की गई थी। आज इस टीम से 200 महिलाएं जुड़ गयी हैं। टीम का ध्येय वाक्य 'डिस्पोजल का बहिष्कार और कचरा मुक्त पृथ्वी का सपना' है। टीम ने अपनी शुरूआत 25 बर्तन बैंक से की। इसका उद्देश्य था प्लास्टिक को अलविदा कहा जा सके।

नगरीय निकायों में विकास कार्यों में अनियमितता बरतने वाले ठेकेदारों के विरूद्ध होगी कार्रवाई

इंदौर। आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास श्री संकेत भोंडवे ने कहा है कि नगरीय क्षेत्र में विकास कार्यों में लापरवाही बरतने वाले ठेकेदारों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जायेगी। जिन ठेकेदारों ने कार्य में गुणवत्ता की अनदेखी की है और फर्जी दस्तावेजों के आधार पर निविदा प्रक्रियाओं को प्रभावित किया है उनके विरूद्ध कठोर कार्रवाई की जायेगी। प्रदेश में 8 कंपनियों के ठेकेदारों को उनके कार्यों आदि के परीक्षण के बाद ब्लैकलिस्ट किया गया है। यह कंपनियां आगामी निविदा प्रकियाओं में भाग नही ले सकेंगी।

ब्लैक लिस्टेड कंपनियां- नगरीय प्रशासन विभाग ने जिन कंपनियों को ब्लैक लिस्ट किया है उनमें मेसर्स यादव ट्रेडर्स (खरगौन), मेसर्स हेमन्त जैन एण्ड एसोसिएट्स (इन्दौर), मेसर्स कार्तिक इन्टरपाईजेस (इन्दौर), मेसर्स शिवम कन्स्ट्रक्शन (शिवपुरी), मेसर्स विक्की कुमार तुरकोलिया (चम्पारण, बिहार), मेसर्स यशोदा मार्केटिंग (पटना, बिहार), मेसर्स के.एल.डी. क्रिएशन इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रा.लि. (कानपुर, उत्तरप्रदेश) और मैसर्स पौराणिक ट्रेडर्स नागौद शामिल हैं। इसके अलावा अमृत 2.0 योजना अंतर्गत 44 निविदाकारों द्वारा निविदा स्वीकृत होने के उपरांत अनुबंध की कार्यवाही नहीं करने से गुण दोष के आधार पर सस्पेंशन और ब्लैकलिस्टिंग पर भी विचार किया जा रहा है।

आयुक्त श्री संकेत भोंडवे ने बताया कि यह कार्रवाई विभाग द्वारा गुणवत्ता सुधार और कार्यों की धीमी गति को दुरूस्त करने के लिये एक मिशन के रूप में की जा रही है। इसके तहत ठेकेदारों द्वारा की गई अनियमितताओं और खराब गुणवत्ता के कारण उन्हें ब्लैकलिस्ट किया गया है और अब वे भविष्य में लोक निर्माण विभाग के पोर्टल पर काली सूची में दर्ज होंगे। आयुक्त श्री भोंडवे के अनुसार अन्य ठेकेदारों के खिलाफ भी जांच की प्रक्रिया जारी है और उन्हें जल्द ही ब्लैकलिस्ट किया जाएगा।

मैथिल समाज की नवविवाहिताओं ने मिथिलांचल की परंपराओं के अनुरूप मनाया मधुश्रावणी लोक पर्व

इंदौर। मिथिला की सांस्कृतिक धरोहर को संजोए हुए इंदौर में मैथिल समाज की नवविवाहिताओं ने आज मधुश्रावणी लोक पर्व को पूर्ण पारंपरिक उत्साह तथा मिथिलांचल की परंपराओं के अनुरूप विधि-विधान से मनाया, जिसमें विषहरा मैथिली लोकगीतों की मधुर स्वरलहरियों ने माहौल को भक्तिमय बना दिया। पर्व के दौरान सभी नवविवाहिताओं नव वस्त्र पहन एवं सोलह श्रृंगार कर फूल, बेलपत्र एवं करोटन के पत्तों एवं बासी फूल से बिषहरा एवं शिव पार्वती की पूजा की।

विजय नगर, तुलसी नगर, सुखलिया, स्कीम नंबर 54, 78, सहित शहर के विभिन्न क्षेत्रों में निवास कर रहे मैथिल परिवारों के घरों और सामुदायिक स्थलों पर पूजा-अर्चना का आयोजन हुआ। नवविवाहिताएं पारंपरिक मैथिली परिधानों में सजकर सुबह ब्रह्म मुहूर्त में स्नान-ध्यान के बाद पूजा में शामिल हुईं। मिट्टी से बनी गौरी-शंकर और विषहरा की प्रतिमाओं की पूजा के साथ-साथ मैथिली भक्ति गीतों और लोक नृत्यों ने समारोह को और रंगीन बनाया।

मेट्रो ट्रेन में यात्रियों के लिए होंगी सभी आधुनिक सुविधाएं

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारी सरकार भोपालवासियों को बहुत जल्द (अक्टूबर 2025 तक) मेट्रो ट्रेन की अनुपम सौगात दे देने के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि इंदौर में यात्री मेट्रो सेवा शुरू हो चुकी है। जनता से इसे बहुत अच्छा रिस्पांस मिला है। भोपाल मेट्रो ट्रेन का काम भी तेजी से जारी है। कुछ काम शेष रह गया है, जो डेढ़ से दो महीने में पूरे कर लिए जाएंगे। उन्होंने कहा उन्होंने कहा कि भोपाल मेट्रो का टेस्ट रन चल रहा है। रिसर्च डिजाइन स्टैंडर्ड ऑर्गेनाइजेशन (आरडीएसओ) द्वारा भोपाल मेट्रो निरीक्षण पूरा कर लिया गया है। शीघ्र ही कमिश्नर, मेट्रो रेल सेफ्टी (सीएमआरएस) निरीक्षण के लिए आएंगे। कमिश्नर रेल सेफ्टी से अनुमति मिलते ही भोपाल मेट्रो ट्रेन का प्रायोरिटी कॉरीडोर आमजन के लिए खोल दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को भोपाल मेट्रो ट्रेन के कार्यों का बारीकी से मुआयना करने के बाद मीडिया को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर, अपर मुख्य सचिव, नगरीय विकास एवं आवास श्री संजय दुबे, समाजसेवी श्री रविन्द्र यति, श्री राहुल कोठारी, सहित एमपी मेट्रो ट्रेन कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की मेट्रो ट्रेन की सवारी- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार को भोपाल मेट्रो ट्रेन की सवारी कर इसकी ट्रायल यात्रा (टेस्ट रन) की। मुख्यमंत्री ने तीन डिब्बों वाली मेट्रो ट्रेन में सुभाष नगर स्टेशन से एम्स तक और वापसी में एम्स से आरकेएमपी स्टेशन तक टेस्ट रन लेकर इसमें मौजूद सुविधाओं और खूबियों को जाना। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार नागरिक सुविधाएं बढ़ाने के लिए तेजी से अग्रसर है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इंदौर और भोपाल शहर को मेट्रो ट्रेन की सौगात दी है। उनके मार्गदर्शन में हमारी सरकार भोपाल मेट्रो ट्रेन का शीघ्र लोकार्पण करने की तैयारी कर रही है। उन्होंने मेट्रो ट्रेन के सफर को आनंददायक बताते हुए कहा कि हम जल्द से जल्द भोपाल के हर नागरिक को इस आनंदमयी यात्रा का उपहार देना चाहते हैं। मेट्रो की यात्रा से पहले मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल मेट्रो रेल के प्रायोरिटी कॉरीडोर के बारे में जानकारी ली। मुख्यमंत्री सुभाष नगर मेट्रो स्टेशन के समीप स्थापित मेट्रो ट्रेन के सेंट्रल कंट्रोल रूम (कमांड सेंटर) भी पहुंचे और वहां से मेट्रो ट्रेन संचालन के बारे में तकनीकी जानकारी प्राप्त की।

प्रेस्टीज इंदौर क्रिएटर कॉन्क्लेव 2025 में जुटेंगे शहर के टॉप कंटेंट क्रिएटर्स

इंदौर। डिजिटल युग में युवा सोच, रचनात्मकता और तकनीक के संगम का भव्य उत्सव – प्रेस्टीज इंदौर क्रिएटर कॉन्क्लेव 2025 – आगामी 30 जुलाई को प्रेस्टीज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च, इंदौर के फिल्म एवं डिजिटल कम्युनिकेशन विभाग द्वारा आयोजित किया जा रहा है। यह अनोखा आयोजन शहर के उभरते और प्रतिष्ठित डिजिटल कंटेंट क्रिएटर्स, इन्फ्लुएंसर्स और स्टोरीटेलर्स को एक साथ मंच पर लाएगा।

डिजिटल रचनात्मकता का मंच- कॉन्क्लेव का उद्देश्य न केवल डिजिटल प्लेटफॉर्म्स – जैसे यूट्यूब, इंस्टाग्राम, पॉडकास्ट और शॉर्ट वीडियो – पर उभरती प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना है, बल्कि इंदौर को डिजिटल इनोवेशन हब के रूप में स्थापित करना भी है। इस आयोजन में 50 से अधिक चर्चित और प्रतिभाशाली डिजिटल क्रिएटर्स भाग लेंगे, जिनमें आकाश मालवीय, आयुषी जैन, ऐश्वर्या जैन, अमन वर्मा, अनन्या तिवारी, ऋद्धि जैन, यशवर्धन सिंह, साक्षमा तिवारी जैसे कई नाम शामिल हैं।

कॉन्क्लेव का मुख्य आकर्षण रहेगी एक विशेष पैनल चर्चा, जिसमें सीएस उज्जवल पहावा, कुनाल पाटिल, प्रबल जैन, पंकज दीक्षित और हर्ष जायसवाल जैसे अनुभवी विशेषज्ञ शामिल होंगे।

वे डिजिटल ब्रांडिंग, कंटेंट क्रिएशन और कम्युनिटी बिल्डिंग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार साझा करेंगे। इसके अतिरिक्त कॉन्क्लेव में इंटरएक्टिव सेशन्स का आयोजन होगा जहां युवा प्रतिभाएं अपने पसंदीदा क्रिएटर्स से संवाद कर सकेंगी। कार्यक्रम के दौरान डिजिटल मार्केटिंग, वीडियो प्रोडक्शन, और स्टोरीटेलिंग पर केंद्रित विशेषज्ञ वार्ताएं आयोजित की जाएंगी। कॉन्क्लेव के अंतर्गत रील-ओ-मेनिया और ओपन माइक जैसे इवेंट्स, जो छुपी प्रतिभाओं को मंच देंगे।

इंदौर की डिजिटल पहचान को मिलेगा नया आयाम- संस्थान के डायरेक्टर, कर्नल इस रमन अय्यर ने कहा कि कॉन्क्लेव में उन डिजिटल क्रिएटर्स को सम्मानित किया जाएगा जिन्होंने इंदौर की पहचान राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बनाई है। कर्नल अय्यर ने कहा कि इस आयोजन से इंदौर की डिजिटल पहचान को नया आयाम मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह कॉन्क्लेव उन युवाओं को प्रोत्साहित करेगा, जिन्होंने अपने जुनून को पेशे में बदला और कंटेंट क्रिएशन के माध्यम से समाज को नई दृष्टि दी।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

भगवान श्री महाकालेश्वर जी की सवारी में आस्था, उत्साह और उमंग की त्रिवेणी बनी

भगवान श्री महाकालेश्वर निकले नगर भ्रमण पर भक्तों को दिए दर्शन

उज्जैन । भगवान श्री महाकालेश्वर जी की तीसरी सवारी आस्था, उत्साह और उमंग के साथ निकाली गई। श्रावण के तीसरे सोमवार पर भगवान श्री महाकालेश्वर पालकी में श्री चन्द्रमोलेश्वर रूप में तथा हाथी पर श्री मनमहेश के स्वरूप में व गरूड़ रथ पर श्री शिव-तांडव स्वरूप में विराजित होकर अपनी प्रजा का हाल जानने नगर भ्रमण पर निकले।

सवारी के निकलने के पूर्व सभामंडप में पूजन-अर्चन मुख्य पुजारी पं. घनश्याम शर्मा द्वारा संपन्न कराया गया।

सर्वप्रथम भगवान श्री महाकालेश्वर भगवान का षोडशोपचार से पूजन-अर्चन किया गया। इसके पश्चात भगवान की आरती की गई। भगवान श्री महाकालेश्वर की सवारी निकलने के

पूर्व श्री महाकालेश्वर मंदिर के सभामंडप में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री लखन पटेल, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत, नवीन एवं नवकरणीय कार्य मंत्री श्री राकेश शुक्ला, ने विधिवत पूजन-अर्चन किया और सवारी में शामिल हुएं।

इस दौरान उज्जैन(उत्तर) विधायक श्री अनिल जैन कालुहेडा, भिंड विधायक श्री नरेन्द्र सिंह कुशवाह, महापौर श्री मुकेश टटवाल, श्री संजय अग्रवाल एवं अन्य गणमान्य नागरिक आदि भगवान श्री महाकालेश्वर का पूजन -अर्चन किया और आरती में सम्मिलित हुए। इसके पश्चात भगवान श्री चन्द्रमौलेश्वर पालकी में विराजित होकर नगर भ्रमण पर निकलें।

मंदिर के मुख्य द्वार पर सशस्त्र पुलिस बल के जवानों द्वारा पालकी में विराजित भगवान को सलामी दी गई। भोले शंभु-भोलेनाथ और अवंतिकानाथ की जय के घोष से श्रद्धालुओं ने की पुष्पवर्षा भगवान श्री महाकाल की पालकी जैसे ही श्री महाकालेश्वर मन्दिर के मुख्य द्वार पर पहुंची, सशस्त्र पुलिस बल के जवानों द्वारा पालकी में सवारी श्री चंद्रमौलेश्वर को सलामी दी गई। सवारी मार्ग में जगह-जगह खड़े श्रद्धालुओं ने भोलेशंभु-भोलेनाथ और अवंतिकानाथ की जय के घोष के साथ भगवान श्री महाकालेश्वर पर पुष्पवर्षा की।

पौधों को वृक्ष बनाने का संकल्प लें– डॉ नागर

उज्जैन। नागर ब्राह्मण युवा परिषद् व्दारा रचनात्मक कार्यों की श्रृंखला अंतर्गत नागर ब्राह्मण परिषद एवं महिला परिषद के सहयोग से एक पौधा इष्टदेव भगवान हाटकेश्वर के नाम की शुरुआत सावन माह में हरियाली तीज के पावन अवसर पर की।

एक पौधा (गमला सहित) अभियान के अंतर्गत समाज की ऊर्दुपुरा धर्मशाला में न्यास अध्यक्ष डॉ. जी.के. नागर के मुख्य आतिथ्य एवं प्रदेश महासचिव पं. हेमंत व्यास, उज्जैन नागर परिषद अध्यक्ष विजय शर्मा, उपाध्यक्ष नरेन्द्र नागर, मनीष मेहता, महेश भट्ट, लव मेहता, गिरीश मेहता एवं डॉ.ललीत नागर के विशेष आतिथ्य में प्रारंभ किया। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ संरक्षक डॉ. जीके नागर ने युवा सदस्यों को पौधों को वृक्ष बनने तक संरक्षण करने का संकल्प दिलाया। मध्य प्रदेश नागर ब्राह्मण परिषद के महासचिव समाजसेवी हेमंत व्यास ने कहा की प्रकृति जिसका हम दोहन करते हैं उसे पुनः संरक्षित करना हमारा कर्तव्य है। पौधारोपण के अंतर्गत बिल्वपत्र, नीम, पीपल आदि के पौधों का रोपण किया एवं साथ ही धर्मशाला परिसर को हरियाली से आच्छादित करने की द्रष्टि से गमलों में प्राकृतिक सौंदर्य के पौधों पुष्पों से आच्छादित पोधौ का रोपण किया। इस अवसर पर महिला मंडल की पूर्व अध्यक्ष प्रीति शर्मा एवं महासचिव सीमा प्रमोद नागर भी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। अतिथियों का मोतियों की माला ओर दुपट्टा ओढ़ाकर स्वागत अध्यक्ष अमित नागर, महासचिव अतुल मेहता, यश नागर, अर्पित रावल, दीपक नागर, राजेश नागर, शुभम शुक्ला, डॉ अमित नागर, गौरव रावल, दीपक नागर, अक्षय नागर आदि ने किया। कार्यक्रम को डॉ. जी.के. नागर, पं. हेमंत व्यास, विजय शर्मा, लव मेहता आदि ने संबोधित करते हुए युवा परिषद् द्वारा आयोजित पौधारोपण के अनुकरणीय रचनात्मक कार्य की प्रशंसा करते हुए पौधों को वृक्ष बनने तक संरक्षण करने हेतु संकल्प दिलाते हुए हमेशा सहयोग प्रदान करने हेतु आश्वस्त किया। कार्यक्रम का सफल संचालन परिषद सचिव डॉ. ललीत नागर ने किया।

भारत विकास परिषद ने कावड़ियों की सेवा की

उज्जैन। भारत विकास परिषद मुख्य शाखा उज्जैन द्वारा कावड़ यात्रियों की सेवा, स्वास्थ्य परीक्षण शिविर व पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। शाखा अध्यक्ष संदीप पांडेय ने बताया कि रविवार को होटल विक्रमादित्य के पास नानाखेड़ा में हाइवे 27 पर भारत विकास परिषद द्वारा कावड़ यात्रियों की सेवा की गई। इसमें कावड़ियों को फलाहारी खिचड़ी एवं केले, बिस्कुट का वितरण किया गया। साथ ही स्वास्थ्य परीक्षण शिविर भी आयोजित किया गया। शिविर में दवाइयों का वितरण किया गया एवं हेल्थ चेकअप भारत विकास परिषद के डाक्टरों ने किया।

सिद्धियों का प्रयोग सुख सुविधा के लिए नहीं जिनशासन के उपयोग के लिए करें -डॉ.नीलांजना श्रीजी म.सा

उज्जैन -आध्यात्मिक चातुर्मास में शांतिनाथ मंदिर में डॉ. नीलांजना श्रीजी म.सा के मुखारविंद से जिनशासन के गुरुवर जिनप्रभ सुरीजी महाराज ,जीनेश्वर सूरी जी,अभय देव सुरी जी, जिन वल्लभ सूरी जी,जिनपति सूरी जी, ज़िनदत्त सूरी श्री ,जिन कुशल सूरी के जीवन के वृतांत एवं गौरव गाथा का प्रवचन में बताया गया डॉ.नीलांजना श्रीजी म.सा ने कहा कि गुरुवर द्वारा सभी सिद्धियों का प्रयोग सुख समृद्धि के लिए नहीं किया गया जिन शासन के उपयोग के लिए सिद्धियों का प्रयोग किया गया है।

आपने बताया कि निर्वाण तभी होता है जब वह आत्म शुद्धि से होता है उसकी नेतृत्व शक्ति, ज्ञान विवेक से ही निर्वाण सफल होता है जीवन में कोई भी शिष्य गुरुओं के वचन एवं वाक्य को मानता है वह कभी भी जीवन में ठोकर नहीं खाता है समाज अध्यक्ष श्री अशोक कोठारी ने बताया कि खरतरगच्छ दिवस पर ध्वजारोहण किया गया जिसमें सभी समाज बंधुओं ने सहभागिता की कार्यक्रम में प्रवचन के पश्चात कौन बनेगा खरतर गौरव प्रश्न मंच का आयोजन एलईडी के माध्यम से प्रेजेंटेशन कर धार्मिक प्रश्न मंच किया गया जिसमें समाज की महिलाओं पुरुषों ने भाग लेकर अपने ज्ञान को अभिसिंचित किया इस अवसर पर श्री अवंती पार्श्वनाथ तीर्थ जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक मारवाड़ी समाज ट्रस्ट के पदाधिकारी एवं सामाजिक बंधु उपस्थित रहे।

मध्य प्रदेश विशाल कुश्ती दंगल का हुआ आयोजनः देशभर के पहलवानों ने आजमाया दमखम

उज्जैन। क्षीर सागर स्थित कुश्ती एरीना मे एक दिवसी विशाल दंगल का आयोजन मध्य प्रदेश कुश्ती संघ जिला उज्जैन द्वारा किया गया। जहां कुश्ती दंगल को लेकर शहर के लोगों में भारी उत्साह देखने को मिला। वहीं मध्य प्रदेश कुश्ती संघ के दंगल कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पूरे देश भर के पधारे पहलवानों ने दमखम आजमाते हुए भाग लिया।

कार्यक्रम के आयोजन हम्माल तुलावती एकता फेडरेशन के प्रदेश उपाध्यक्ष शेर खान भाई ने जानकारी देते हुए बताया कि मरहूम दलशेर खां पहलवान खलिफा बजरंग अखाड़ा, तराना की स्मृति में एक दिवसीय दंगल का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि के रूप में मंडी व्यापारी एसोसिएशन के अध्यक्ष जितेंद्र अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष गोविंद खंडेलवाल, विधायक प्रतिनिधि हजारीलाल मालवीय, पवन कुमार उपस्थित थे। विलुप्त हो रही कुश्ती कला को बढ़ावा देने और पहलवानों का मनोबल बढ़ाने के उद्देश्य से इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मध्य प्रदेश में पहलवानों के लिए सरकारी सुविधाओं का अभाव है। संसाधनों की कमी के कारण पहलवानों को अपनी तैयारी में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। कुश्ती दंगल प्रतियोगिता को लेकर मैदान परिसर में लोगों की काफी भीड़ जमी रही सभी ने पहलवानों को हौसला अफजाई किया। कार्यक्रम का संचालन राजेश भाटी काका ने किया और आभार फारूक पहलवान ने माना। कार्यक्रम के अंत में संस्था द्वारा सभी पहलवानों को पुरस्कार वितरण कर सम्मानित किया गया। इसी दौरान कुश्ती संघ उज्जैन ने शेर खान भाई का सील देकर अभिनंदन किया। इस मौके पर कुश्ती संघ के अध्यक्ष उमेशसिंह ठाकुर, भाजपा नेता सुरेंद्र यादव, शहर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश भाटी, सोनू गहलोत, शेखर मेवाती, साकिर भाई मेवाती, शौकीन मेवाती, सरफराज हुसैन, फारूक भाई मेवाती, रामजु खान आदि बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

अंकित ग्राम', सेवाधाम आश्रम में अंकितोत्सव में वयोश्रेष्ठ शिक्षाविद् 97 वर्षीय सुशीला नागर ने किया पौधारोपण

उज्जैन। अंकितग्राम, सेवाधाम आश्रम उज्जैन में महात्मा अंकित की 41वीं जन्म जयंती पर 'अंकितोत्सव' अंतर्गत 34वें राष्ट्रीय वर्षा मंगल महोत्सव एवं मित्र मिलन महोत्सव अंतर्गत आश्रम से जुड़ी हुई विगत 30 वर्षो से सहयोगी, सदस्य एवं जीवनदाता शिक्षाविद् वयोश्रेष्ठ 97 वर्षीय सुशीला नागर, रूकमणी मेहता, शारदा व्यास, विशाल मेहता एवं आश्रम संस्थापक सुधीर भाई ने पौधारोपण किया। इस अवसर पर 97 वर्षीय सुशीला नागर ने कहा कि यह मेरा परिवार है, सुधीर से अनेक वर्षो से मेरा सम्बंध है वह मुझे पुत्रवत प्यार दुलार देता है। मैं सेवाधाम के विविध सेवा गतिविधियों में संलग्न रही एवं मुझसे जो बन पड़ा वह किया। आज मैं यहां आई मुझे बहुत अच्छा लग रहा है कि कहां उबड़ खाबड़ बंजर भूमि थी और आज अंकित की स्मृति में आयोजित वर्षा मंगल महोत्सव में पौधारोपण कर आज हरियाली से आच्छादित हो रहा है अंकितग्राम, सेवाधाम आश्रम।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com